१५०४

किस्सा

जहेरामगोरखेर

जानुहसननो

सरवे रोकी वांचेनारनेसप

रेअजहुलहुसेनमुलां-

नुरीदिनने बीरहूबीसर-

थीसारी रीते सुधारीने-

सेर री मेसमां छपावीप्र

सिध्य किधा छे.

मुंबई.

सन. १८८१ ईसवी.

किस्सा

जैहराम गोरडा

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहीम

खिलाड़ी तह्फ़ांडा करन हार तू,
गरिजो वतिमों का अवधार तू
लेगा.रे त लो अेहसान जयां डयाउ
अयां है लेखिस्को अयां क्या करे
डियाने हरोमाह और टामिंआसम
कियालनों खेनसान परी दर त हां
जडा वोह रहिम और सत्तार है
वोह रलेके आ लमडा गफ़ार है
अलम और रहमान परवरदिगार
परे लस्की आजा है और आपीराडार
जन्होंडी वोह अपने है रब्बालीमार से
जन्हों पर हमेंशा खोसी डाडरम

कि घायल को किसी शिकायत नहीं .
ज़बां को वस्फ़ की है ताक़त नहीं .
मिलाया वो हुस्न से पञ्ज कुज को ;
करम से भलाई दी अय्यूब को .
कुशादज की मूसा ने दिलोजान से ;
कुशागर की फ़िरऔन ने यहां मान से .
जिगर जापे ईसा को पयदा किया ;
मोहम्मद को सरदार सब का किया .
कहां मुझ ल जिस्मत को ऐसा कियास
कहूं सरजन सरदार नाले सिपास .

दरनअजते सैयदुल मुरसलीन
सलिल्लाहो अलेहे वसँलम

पद .

ज़मीं हँमद हुकूरलु जेहन तहा
जे नञ्ज़ल मोहम्मद कजम को मेला .
मोहम्मद नबी श्री सिरेत जो जलू .

कि मोती दहन से सुखन बोल तू .
लिखकर कर मोहम्मद का सुसुखन होराम ;
मोहम्मद का सिरीं पसन्द दिलके नाम .
मोहम्मद को हक ने जब पैदा किया ;
आप से नूर से है हुअेदा किया .
हैं अेअजल ठअ अहमद के ठगमें नरीस
किया अेक खैरात से हैरा कमर .
ठअं को न सा कतल जो ले जया ;
सिफ्त जनकी यासीन ता में अया .
हैव जैंज वल्हा मुद सौंर सती .
कुरआन वसें खुबी में मानुं सती .
सिफ्त में मोहम्मद के मालाक हूं ;
मोहम्मद की खिम्मत का पालाक हूं .
अमिं कर सिफ्त को तूं आखर कलाम
मोहम्मद पे लेले दरूद और सलाम .
दर सिफ्ते चहार यार आखिन

फ़ारर ल ऊीलाँ हू अनहू मणोयाए

खिरेलपार याकोंऊी फरदम के हू ;

और ग़िनुी सनामें फमे रोा करे .

अबुल फर खिदिफ़ हैरो हुस वार ;

सोहमदके हैं वे अडे यार गार .

ऊमराआदरा और ग़िनुाअदल ;

ठहांमें न कुछे ऊीन्होंके मिसल .

खिपुम रोा के ऊीसमान हैं जाहरा .

ठमअ़ लखे कुरआन कों हैं दिया .

सांहारम अलिरोाहुम रहान है ;

गुलअ़लमें वो हरीर पट दान हैं .

के हुंरोा हलदां डीअज मैं जजर :

हसन और हुसेन हैं न जी के लगार .

लोगिमा तुन ठन्नत के सरदार हैं ;

कोंलकुी नअ़लन अरदार हैं :

ठहांमें लो कुलअ़न हलेमान हैं ;

ख़ने आम लोगां ने और ख़ास कैं ।
सो ये हमारे मदह जमन्दर हैं तमाम ।
के नअमा नो मालिक रेताहीदे आम ।
लीअकम दे कजल संजसे माख़ुदा ।
रजे ऊन्को मख़ वाह मालिक सदा ।
उंरअज जासिहत मैं जडे पिर की ;
उंकंसिहत जे कद मिरां मिर की ।
ऊन्कों से हैं ताल सारिअत का जाण ।
सौ कम द डी ऊमनके हैं वे पिराण ।
अमिं रगकै आलम कनारे ले पीर ।
यहीं सो ले मे हसार अज दर दस्तगीर ।
डहुं अके नसिहत डी मैं लुअ को आत ।
के है आ करे ले में तेरी नजात ।
अमिं आसता नों डीअज जे आक हि ।
हसार के अज़ल खोंसे जे जाक हो ।
हुडा नअमते तक मिद को मुन्सर ;

न कर तू ख़ुशी को तु अब असर जसर .

आग़ाज़ क़िस्सा जहानगीर का यहाँ से है .

जो अब के मेरे दिल में आया ख़याल
क़िस्सा एक कहूँ मैं जहाँ तें बे मिसाल
ज़बाँ पर अपने सुख़न आया पसंद ;
येह सुन तू रंगीं मैं कहता पसंद .
मेरे यारो ज़रा तदबीर सुनो ऐ अज़ीज़
ज़बाँ से कहूँ हूँ अपने सुरीतम्मीद .
ज़बाँ पर है कुछ सुख़न आ जहान
दासी के सुख़न का है दिल में दिदार .
मेरे यारो ज़रा तुम में सनानी कहा ;
जो कुछ उस ज़बाँ पर अयाँ हो रहा .
कहा येह क़िस्सा कूँ मैं गुलज़ार सा ;
सो अब तू सुनो और जहानगीर का ।
जो कोई पढ़े येह करे मुकर्र पायदा .

तअल्लुक जिसे अपना करे दिल वो शाद

मैं अजब दास्तान ये है किस्सा कहूं .

खुदा की सना में कमे रो गर हूं .

किसा किले वा किहे को पावे अजर ;

खुदा की खुदाई में था अेक शहर .

उसे शहर का शिस रोजा नाम था ;

वहां आदशाह नाम अहमान था .

कि सनमशाह अहमान का था असल ;

उसे शोरके सदका था मकोल .

अकल अल अकु वा शाह अहमानगों

न था कोई छहां में मिस्ल उसके और

था नू अ सुरल अ होत जे मिसाल

नल कुत शाम्रा अत में साहे अहमाल

अरस जिस की थी उमर शाह की ;

सिपा लोथी उत की शिरें नाह की .

वो है थाम र रस्ता दील अजमा को यास

गरीबों के मिलने से या वोह खास
वोह से कुरान जै ठा या रोह नामदार
नजुमी जुलाम्से ऊसी व कल स्यार .
कहा से नजुमी मेरे सब को ;
जदी औौर नेकी ले मेरी कहो .
कहा से कि नजुमी ने से कामगार ;
तेरे मुल्क की हद है कायम मकार .
कली तुम सिधारो जमाम्से सीकार ;
येह लिनो तरहे को तु हो कर सुवार .
नमें पै तरहे को सिधारो लजा ;
ले लओोगे यहां तुम तो है येह जला .
कहा शाह ने ऊस्को सब जदे जता ;
कयो पै तरहे का जलाद पे ता .
नजुमिन ने दिल्में किया तज फिकर ;
कहुंसज से ह्ज कयाल मैं जोलकर
तुझें मा कहा कि वोह समझा से कर ;

वो कहने लगी कि ऐ डा अजान कर.
सुनो मैं कहूं कहेना जयां जे ऊदूल
न जाना उधर को वे आखिर मलूल.
कहा शाह ने सुन ऐ जऊ तुम्हें आल;
चले किन है लड़की रखो रजे कोये.
न तुमी कोरोकने किया तज रहे;
कि उस दिलमें करतार का ओस चले.
कि किस्मत का अपने तो देखूं मैं चले.
को वेणा वही सये करेले मुंदा .
न तुमी तो चरखोगया है ये ला ;
ले कहेना व सुनना जुमाया लला.
वले कीन ले कड़ओ या करना है रे
कुभे खिन नटलता है कोला है रे.
वो कछोड़े न कहाणी है ले लिरे कहे .
वो कहोला है लर में है कडंडी रहे.
कु या ऊसका वो कहे है दिलमें खियाल

कुया वस वसारीहु डोम्जठ ढदडमू.
कुया जम्म्ह मुदत केगीहू कै सुयार;
ऊस्सी तरहै यो ये को जेहरे रिडार.
लियासायै जैस्कुर वोहू कै जैरोमार;
ठनावर रिोडारी ली हमंराहू ढलर:
तरमम्जे रिसयाणोरो यी ते किते;
ले पडउ ठनावर रिोडारी कुते.
ञली यी ठनावर रिोडारीठी लत;
लिम्जे पां दगीहू ने म्जपस के संणात.
लणा सैद डरने वाहू से हरा लिलर
कहै पै ठला वर वहां प्रुज तर.
ऊल्हों जिये या म्जे कम्ज ठजणोर म्जर
किस्सी ने नदें म्जा या म्जै सा दिगार.
मुडाजिज वोहूरी हू के कुया म्जाम्जडा
नठरमै हू डा ऊस्पर म्जेडा म्जेकुपेडा
यिा ऊस्कु मुहु पेरा निहा यत डमाल.

किसी ने जो देखा उसी के मिसाल .
बदन पर थे उसके कई रंग रंग ;
हुए दिल में सारे उसे देख दंग .
कहा उसको दुनिया में बाला पकड़ ;
ये जा शाह पिया दह वहाँ से अकड़ .
पकड़ ने ये ला उसको आया करीब ;
लगे शाह आया है वो कहुन करीब
वज़ीरों अमीरों के शाह को ;
ये दिखला अजब के है शाह को .
कहा बादशाह ने अजब पंछी है ;
उसी को किसी ने भी देखा है .
था ऐसा कोई न उसमें भला न था ;
को छि सर छिपा कीसे भाहर न था .
उसे अक पलक में लिया सैर कर ;
उसे शाह लाया है बुधी पकड़ .
तब उस शाह ने किया है अपने से लगन

किया अपने हाथों से उसपर यकीन
हुवा पादशाह है उसी पर सुवार ;
लगा छंद करने हनावर हजार :
जो ते जोगरी ह कुयें सज अैसा सो आम
हवां से किसी के न निकला कलाम.
सलों ने मुआर कुछ हारो ह को मिज.
हुवा शाह शादान पुशवकत मिज.
मिला घर तरे शाह सा हजअदल ;
मिलीयी पिलकुवहां तमारी अदल
कुपकडा है शोह ने अठअशोर पिर ;
किसी ने न देखा था अैसा दिगार.
घोडे ऊंट आजु लगाने लगा ;
हुनर छंद अैसे दिखाने लगा.
घोडे ऊंट आजु करे रेवदमें ;
हुवा शाह तज शाद है दिलमने.
किया शोर उसने ने उस आनपर ;

ऊडा जेणयारीं ह् डोम्जसमानपर ।
ञ्जलकुम्भौर लरिन्डुर कुम्भे भे कुफ़ार ;
जडेम्भौर छोटे गो म्भे लर लर ।
कुम्भे लोण कैशान सज म्भासोम्भाम
पडे लके गारंदा जणांभमें तमाम ।
सलीको के लाम्भारगो ने लगे ;
म्भाक़ों से येमुह् डोली घोने लगे ।
कुम्भेणाम से गो गो परेशान सज ;
लणोम्भी डु डरने णिरे ज्ञान सज ।
यलेगो ते म्भांसु कैं वे सजलने ;
णालेडा ले डुकै नीयां डलंदर जने ।
कुवाम्भे के जम्भे डुणुलरी हर के लीलर
णम्भेगो ते सारे कैं गो कु के भो नहर ।
स के लियां लगी पीट ने वाम्भे वाम्भे
छलरसर कुमारे डायाकाम्भे काम्भे
कुवारों कु डागाम कैं सत्ती घरजघर ।

तहां लग कि उसने पै अन्दर रोकर.
रहा सब के दिल में यही वलवला.
नजाना कि कैसी यह क्या थी बला.
सखों ने यह दिल में किया मिल ही कर
नहीं डोर्छे रोह का मिसादर पिसर.
अपन आजआसान में किसी रहें
हमें गोह अपना किसे अज कहें.
पिदर में न उसका था दानावर;
वो हां था दिल का सब जहां तदिल पीर
तहां लग मुनीं आदमी आह की खबर
यहां लग जिहावें उसे तप्त पर :
मुआ दामु लकली यह ल्मेन होय.
कि दुनियां नकी और आवे न होय.
सखों ने उसी पर किया के करार;
रहें रोह के गम में सखी दिल फिगार.
पीछे मिल सखों ने अदालत किये.

व ळरी ष्मिरदनठद कोमा की दीम्जे
यहां रोंजलुफ़्सॉं ठहां लेपेला ;
कहां ले के जें हराम बो हगछि जला .
वहीगोर ठलें सोह कोले कर ढिडा .
हैलकुपर वों हसोह कोलैलकर चरा .
किया मुंह से नमरा उीनेंमाहका ;
ठजां पर लिया नाम मलॉह का .
गया सोह कॉ लकर कुछे को उसपर ;
रहा सोह दिलमें हैम्जेहसोस कर .
जलनन है वोह उतराठ मिं के उपेर
उीलारा जफ़्रूजी उीसे मान करे .
वहां पादरोह जोगया छोड कर ;
कुवा गुम उीसी वकुल वोह गोर पेर
मंपिं भोल देमा ठलेसोह ने वहां ;
के है आगा नादिर वहां उीसम कां .
वोह फूलीका उीसकै लीलिप्यॉं नठेया ;

ऊमरलरमें रोह्नेसो हे आनथा .
यमनपुरोक वाहार सैराज है ;
कु यरिम अेकि ठरसा व पुरअाज है .
ह्यारे कुछि थे वहां पर ऊछल ;
कुछि हौट नहों रहे थें ऊलल .
रोगु हेला थे गुल वहां कुछिं रंग रंग ;
के लाला हल्नरा व नरगिस सरंग .
कुछि सहि रोम रोाह थे यासमन :
अहोल कुंमरीयां वहां थे अन्दर चमन
यमनगुल रोगु हेतां के मैदान थे ;
कुछि मुरग़ गुल गुल पुरो छिलहानथे .
वहां अे कुछि भारत थी छिल कुरा .
हेरेरा या वोह्म अमन कुा ऊिरमें अिछा
घरे थे वहां पीरो पुर लगिरो राज ;
कुछि जहसे कुथे घरे वहां कजाज .
घरे थे वहां ने वैली पिकु सामेकु :

गिनु किलने मैं ली कुछ नामके :
येक सब देख दिलने ठटक होरहा ;
सली शौक के दिलजुयदीगाम हुवा .
सली देख जर्हे राम जेम्सु पे हुवा ;
अजु लो होरों शौक् फारे वाला हुवा .
कुहा दिलमें शौक् ने अहब जाल है
नहीं कोछे यहां गैर कहलात है .
येचालके जै ठा है भसनद ऊपर ;
किया सज अजपसमें वोह दिलकुलीलर
किया मैं कहरी वोह पियाले दोस्यार ;
कुवाम दमस्त है वोह अंदर खुमार
जै ठा ह जअजपसमें वोह मकलुह को
देखा अजे कुआता है छेरी तले .
वोह पियारंग ऊस्का लेआ कुमिसाल ;
जदन पर हैं ऊसके कुछे जलोबाज .
कुवी कुदमें पाकोह सेली कुजीर ;

कुमरमें है लिखे हा उसीके हजूर.
उससे देख जके राम जे सुख हुवा;
अउ जो होरा लाउ लन नहीं कुछ रहा
कियारो हूं नें ह जअपना कैरलमुकुम
उसी देवने लज किया आसलाम.
अद बसे वो हरो ह डो बुलाया वही;
सुरे द देव मेरा धिसम है स ही.
तुअे क दिलको आया था स हरा अेलीत
उसी दीन तुमेरे पडा था नहर.
उंसी दीन से आरा कु हुवा हु लेरा;
तेरे बिन बुरा हाल था यहां मेरा.
रोकुलणोर जनउर कु आया था में;
उसी रेन्द दिर उर से यहां लाया कुमें.
यह तकसीर मेरी मुके मआ़रे डर;
तु हरणाम से दिलको अली सारे डर.
यही जालब ज बादशा है सुना;

कु वा दिल में पुरगम वो कहै यों गाना
दिया रौक ने उस देव को ये कह बवाज
के आ वो अपने मिलके पिवे रागाज.
गया रौक के नजदीक तसलीम कर ;
लिहा या उसे रौक तअजीम कर.
कुये मिलके दोनों वहां हम कलाम :
गई रौक के दिल की ली हकरीत तमाम
किया देव और रौक दोनों में कुरीत.
कुअ है वे आपस में करदो पुरीत.
वहां रकस आ जाके सज साज़ था ;
व लेसाज सब वो कली जनाज था
कहा रौक ने उसका है मुतरिज कहां.
जु लाओ गिता जी उसे हो तकां.
दिया देव रौक को तली येह तवाज ;
लगा मीनी दिसा लाकु तुम्को गिलाज.
यी अज कुस्मा हा नी सो दरस्तार में ;

निकाली उसी वक़्त ऐयार ने.
कहा ये इसमें सुरमा है तूफ़ानका ;
बनाया येह मेहतर सुलेमानका.
सलीलर के सुरमा उनने लगा लिया.
दोनो पे इसमें शाह में छिपा कर दिया.
कहा उसने मैं शाह आलमपनाह
तुम्हीं हर दो लनीज करो मज़ा निगाह
दावें तरह शाह ने किया है नज़र
बैठे हैं कुछ देव हलतेड कर.
नज़र तरह हमने किया शाह बयान
के बड़ीयां परी हैं बसुरत ख़याल.
सली फिरा निकाला ने शीरीं कलाम
उन्हों ने किया आके शाह को सलाम
कहा देव सब उन परीयां को है यूं.
रिज़ाम्मो तुम्हीं मिल के इस शाह कों
किया लामे परीयों ने शाह के हुज़ूर.

दिखाया लेरौह अल अमेज ब हूर :
पेआ वह तंजुरा जगा जाह ने ;
जगी सब परीयां कें वहां नाचने .
कहा देव रौह को कै मैं सा पयाम ;
कि मैं राहे मां जी कुवा वकुल रोम .
ओ हो तुम सितारजी से दिल वल करे
परी मेरे के साथ विहार करो .
उन्हों से ले आवे तुम्हारे पसंद .
उसी से करो मौज़ से तुम आनंद .
ये ह़ जिस दम लमें हम ने तुम्हारी दिया .
ये ह़लाल जस लोंडी तुम्हारे किया .
न ह़री रौह ने परी यों ऊपर की हमल .
उन्हों में परी मेरे कपी पुरा सिकल .
जरस यौं दह़ पेन्दरह़ की थी जा कमाल
थी पुजी में कामिल थी ह़सा के जह़माल
ओ हा जा देखा है कि उसे साथ ले

पकड हाथ उसका वहां से ले चले .
गया शाह जिन वतन ने रात को ;
सवारी थी जिन वतख्त जाह जलाल सुं
किया जैसे शाह ईरान उसी के संगात .
अकेली थी में से ज परी के हैं साल -
उठा ज्यादशाह के ज वहुत से हर ;
अजरधार ने देव को दी खबर .
उसी वकत परीयों को बुलाकर कहा ;
रखें थान पोशाग के वाह मंगा .
कितेक थान हर जुरेल जुटे हुवे .
कितेक कारचो जीये उन से भरे .
कितेक सुरख और सब्ज किमख्वाब थे
कितेक जगमगाते ली हर जा रहे .
कहा देव शाह को अली जो बुलाव
ले चल कर के हमाम में ली न्हलाव .
ले चल कर परीयों ने किया सजन हर .

अरज़ की के ऐ शाह वाला गुहर.
हुवा गरम हम्माम अज़ लुत्फ़ से लो;
परी से अजली तुम चलो न्हा के लो.
चला बादशा उठके हम्माम में;
हुवा साथ परीयां वे छैल भाम में.
गिता जीसे उठ रतन कियाशु सलेरास
पेहना सर बदन पर वरी कालिबास
शहनशाह आकर बैठा तख़्त पर
परीयोंने कहे लड़के देव होज़ार
पिछे देव उठ कर के आया वहां.
उसी मेहल अन्दर के शाह याद का
अदब से किया देवने आसलाम;
हुवा अज़दहां से है वो हम कलाम
छिड़न मुझे बिरादर का आया है आह.
उसी की है शादी का मुझ पैरा हाह
बिरादर बड़ा है वोह सुरख़ाबनाम.

छिपे इकर में बैठा उसी ठामु ठाम
अगर हो वे शेख सल वहां लउठ में.
यहीं कै के होने में फिर आउठ में.
खुशी से उसने शाह ने दी रजा.
उठा देव वहां से कै फुरती शाजल्द
सली देव परीयां रखे शाह के पास,
सुजादा शाहजन शाह को वे उदास.
वहां देव जने ठोपे हार भीद.
सुने डी दियां शाह को ला कर दिलीद.
उंसी लये अंके दादरा या खुदा,
दिया देव ने कै वो शाह शाह को जता.
सुने डा हुक्म या उसी के उपर;
कहा शाह उसपर करो तुम नजर
कहा शाह ने उसको के अंजनुमा;
तुम्हारी तबिअत उली होअंसे हो:
ले तुम को मैं दी है किलीद सिवना;

उसीसे कि जो पोन पे ह़ तुम डुहेलवा
अकेले इसीमें तुम्हीं लगे हो ;
घडी अक दो हैर दि आडे ओ .
डली दिन्को करणी ह़ नकीं ओलना
मेरी पेह़ नसीं कतनकीं लुल ना .
नसी हत वोह़ डेरडेरवा ना हु वा ;
डिःअे दफर डो उस्डाली न नाहुवा
हो से रोह़ जम्अ़ दस्त ह़ हुवारी ह़उधू
डिया दिल्मेंअपने तली पेह़ डियास
तमाशा तो देखे उसी लम्अे पर ;
मना जस्की मुझडो गया देवडर :
मेला दिल्को आया उसी लम्अे पर .
न आया वोह़ अपने हैं दिल्पर अतर
डुहेला ओलरी ह़ने रखा हैं वहां ;
मेला सैर डरला हां और लहां .
उसी लपे देखा के खुसता न है ;

सं वारी उिरसी में से क मुक जाल है .
न था उिस में ञ न और कोई दय परी ;
जहोल आग सु जी ड़ा था जरलरी .
खिले हैं गुलाजा म में न लाल लाल
रहे थे न ना वर जहोल पाल पांल .
थें जेली ने से वली ली न सरी न थे .
थें थे और न रणी सली जा ञ न थे .
घा व दी व भो घ री व ला जा ह ञर ;
थैं सरे स नो जर वहां जे रोमार .
थीं दव ना व मरया वरें हान था ;
ल रा स ज गुलों से वोह मैं घा न था .
थम न वोह गुलों से लीमेह मेह करे ;
वोह गुल ञर गुजी से लेह लेह करे .
जहोल आग गुजी से था पुर जहार ;
गुले हम रानी व में ही ह ञर .
वहां कुमरीयों डा था गुल और सोर ;

यो कह आया वह जुल जुल आया तौर लेख

उठके आड में वे के पै जे नज़र ;

पै अंगुर आंबा अनारो अंजर .

पै मोठ से ज और सरे ठल वलुत ;

पैलि मुनररीरीं वहां पर जफोल .

वहां नारंगीयों से चमन था भरा :

कि पिस्ताओ बादाम जफोल से भरा .

खुलनी थी इमारत जहां तह अवर ;

ह उ पै ठासी खिसे लसजऔर गुहर .

खि के उसमें गा़ली पै हरलार है ;

सं वारे स़दन पर लीगुलन्ार पै .

लीसीसी फलजके वहां पै लरे ;

मुरसैं के साथ ह़ उठि पै घरे .

घरे वहां पै मेवे रंगारंग फलर ;

कि तों के लिखुं नाम हैं जे शुमार .

घरे पै लमेवे जफोत जे कि सांझ .

पै मुरग़ माही के कहि वहां कआज.
गुजाओं से हौं लं लरे ठार ठार ;
है वारे उछल्ले वहां बेशुमार .
पानी के कुपेरे म जेम्मा अउधेस लोरका ;
जडा था वोह जे कुडोसके दौरका.
कहां रोह ने मुझ कुकुरप्पे थामु धाम ;
वोह था जे हरेस आसार गुलरीन् झानाम.
कहि सारस और जलो मुरगा बियां.
कहिं हंसों क बुलर कहुं कपाजपान.
यें जासैर करला वोह रोह ठार ठार ;
हे प्यारा ह हीर कर है जे कझार झार
सलीकाड वहां ली जहां लखाया दाम
कुवा देख जुरी हाल जहां लनाम दाम
हवा पुरा है रोह को वोह लाने लगी.
जब्यों में उसे निंद आने लगी .
हे वाँरे रह पै जरस लैं सहाज ;

किया ख्वाजासरों ने वहां से किलअ

गुलों का कतरा था वहां पर बिछा.

बिछाने की हाजत वहां थी कया.

गुलों के तकिये थे अन्दउसपमन ;

हवा वहां की आली थी गुलयासमन

हुवा निम ख्वाजीरोह दिलनवाज.

अका अके कबुतर आआया आवाज.

उठा ख्वाजा सिलीं वो बेदार हो ;

अका अके हुवा कै अजरदार वोह

देखे कयाकेअै ठ कैं दिवार पर ;

अरंणे हमर्दद कबुतर उतर .

नहरी ह की उनपर वहीं लपडी ;

उसी पेरन अअाज पर है पडी.

लिया से कबुतर उन्होंने उतार ;

नंगीयां को के लड़ेंर पडीयां करपे हाथ

वो थीं खूब सूरत निसजमाह के ;

नहाने लगीयां वोह अंदर पाहके .
देखा शाह उसको लहपुर हुवा ;
परेशान आलीर में होकर रहा .
तेरे हुस्न से उनपर किया है नज़र ;
परीयों में परी कोन है खूबतर :
परी अके उनमें जहां लखूबरे ;
जदन या उसी का सके भी जभी .
परी लदसखुनी वोह सरदार थी ;
अक़ल होशीं नये रे में तरगार थी .
वहीं खूब सुरत लीम हके नमन ;
सुनो नाम उसका था जानुहसन .
जडज सर पे उसके जडे जालये ;
मिसल शाख संदल के रखवालये .
लगीं देख उसकी छुपे आरेताज ;
वोह अपे हरे पे अपने लेशा उज्जानिडाज
लुवें देख उसके हुवा है मलाल ;

दियानतको अपने वोह जाणीरं निझ
डमर उसकी जारी कलुं रोर डी ;
वोह जिनीथी उसकी डुरस मेहरणी
यरम देअआहू परेशान हो ;
यमन में वोह नरगीसली हैरान हो
अठअ उसकी आंखोंमे होलम्ज़ल थे
डाठलनैन डाले सुरअगाल थे .
दोङ्गाले सहेडी सना कीनलय ;
देखे उसको आर्हे नेली रैन्कु लाय.
सिया आलअदपर उसीके नमुद ;
नणी नासा होता है उसका नमुद .
दो लजआअहै वांसे लअरेठ थे ;
गोया रोकद मिसरी से आमेठ थे ;
वोह दातों में थे उसके हिरे ठडे ;
दहन के सदह जिसे मोती परे .
नरसी उसके दांतों उपर देअडर ;

कँवल जिसे आकर छुपे लुं मेलदर
ये हूर से हो के तन जो ललीथी कलाम
लीभो लीमुंगे रोल लीथी लभान
थीणरहन ऊस्री कोमुश कृो मिसाल;
दोपिस्तान मिलनै ऊपरथै लिकाल.
सनासों के मा नींद थें से कुआरणो
वे थे थीज यामुरके लालार के
सिकुम मोठ दरयाठि सै गजथा
वलनाके ऊस जिसे गरदाजथा.
कुंमार ऊस्की आशिकुथी कुछस ञजः
ञसे देख लाणे सजार औरैरा कुजः
देखा रंग थी ऊ कुवा दिलमें दगा;
रिकुर से कुथी कुवा के लरदरंग.
बेरन देखें थे पा कुवा आग आग
वो हुरैं देख लाला कुवा दाग दाग
गुलाजीहि आ ऊस्का न कुरी कुदम;

कियामोकुलजपेपरकृनआनदम ;
हाथोंपाकीउंगलियांथींमुंगेकीसीटेज
देखेसेजिन्हेंकेहुटेदिलतडाफे .
हाथोंपाओंमेहदीसेपैलालालार ;
सहेलीथीपोशाकऔरहेजदार ;
कानकुलआलियांवमेंपाकली ;
समकलायापरनंगरोराननली .
संदनहारमालादिगारगालसरी ;
आलुजंदपोंथीयांथीअंगुरेसरी .
देखाहजपरीकावोहैनवजहार ;
छिराकडाउिहारोहकेदिलमेंघुआर
पाओंमेंथीकांझेरजहीलमालेके ;
हडजिसमेंलजलेंजदेखसोनाके .
जरसपांहदहकीसुनोथीपरी ;
वोहखुलीथीमाहसेउिसेजरतरी
मसाहलजदनकीलदेखेकमर ;

शरमसे पसीनामें होलवे तर .
देखे उसने मवलुन और संगदहल
होवे सरोपा ज़ंदहम ज़ंद रफ़ेमन .
हराम अन व मज़जारल उहे या टके :
नहाने को आछे सहजीयां वो ले .
वोह नहालीयां परीयां सार ज्ञासमूने
मिल
खुशी होके आहम वहां ओल दील .
ऊनको सब ज़से आनु हुस नगुलगाज़
आर
हुवा देखी मोह का ऊसे दिल दिगार .
सौं या या ह दिलमें के अजब क्या हुई
परी को मुसप्यारमें क्युं हुई .
जुदा बिन न को छे पेह आ वे ऐकर .
हुई मैं किसीसे येह ल ऊ र ज्ञ कर .
उहुं किसको जाकर येह शा जे लिहां ;
छिपाही पेह लुत्क को सत्ली है अयां .
अगर येह परी हाल नहीं आ जंणी

मेरा ठिवघर से येह् लेन अेठी ।
अकेला पड़ा ललम जाने लगा ;
दरैना डो दिल में ठ लाल लगा ।
कुयी हिडर अहो लू और अहो लगाम
लगाओ
कि जिन आजन कली अहो ललना ला
अे ।
सुनी थी ओने हर से मेरे लाल ;
कि कपड़ा पर्री का लगो कि सके हाल :
हो वे अन्द ऊंसी पर पर्री अेक लार ;
रनि आर्री जा छि सदा पर कूरार ।
येह् करसाद दिल में वो ह्रीराह् नाठवां
न
छुपा वो हो कपड़े पाया कि वहां ।
वो ह् कि कुसल से आया पारेजल नारडा
छुड़ा वहां वो ह् ली नों आया यार का ।
पर्री के वो ह् कपड़े उठा कर लिया ;
रहा छुपे ऊसी जमें आ कर रो हा ।
सुगल में अपस के वो पियां जेजजा

न उनको था दिल में ग़म कुछ असर .
सहेलीयां थीं उसकी जो उसके संभाल
उन्होंने निकाली ये इस वक़्त चाल
सुनाया कि रहो रस्म का है आदमीना ह
है पुरी में गोरा न केलुं नेकनामा ह
उसे देख आया है वहां से उड़ा ;
आपस के वोह नहीं कहे सारा .
कहने के बहोत पुरसुरत है वोह
हिरनां की चया चिन की मुरत है वोह
देखे पुर वोह था तेरी नसल है ;
में था उसको पुरी आगे मालुम है .
कुतुबर को उसको ये जो देखा ये ;
पिछे अपने घर को अपन सबा लिये
उही बोल आनु कुसन न लगि लाग
में देखा वोह छेमरी अ के अंदर लीध्या
नहीं कुछ नहीं आन छिस बाल का ;

मेरे दिल में थोड़ा है कुछ चाल का.
के वलाँक़ आलम लगो कुछ जला ;
कहो लगीं किसपर न मैं मुजली ला.
मेरे दिल में दर्दोल जड़ी आह है ;
लिगाह जान अपना सोम दाराद है
रोमेंगे किसी रोह फिर आओ कर ;
नपेले कसा अस़ल अपन पाओ कर.
अपस में वो ह़ ओसा ही पे कराव कर ;
लिकल आयां पानीसे वे दांओ कर.
न दे आ अपस कारम ल हार पर ;
डाहीयां जुदलर हैं वे कुरीयार फिर
वो रोवें पिला वे वहां लऱ लऱ
गिरे जान होड़ें जहां ल आह़आर.
वे रोरो के णम से हुयां जे करार ;
लगी दिल में करने अपरले बिमार.
ज़ जार लोके हैं कोन ओसा जीार ;

जो ने उस जगह पर किया के मकर .
देखें आएं साया उसी को तमाम ;
वोह फ़िर लगे धूंढें अंदर हर मुकाम
धूंढा के परीयों ने वोह फ़िर बार बार ;
वले कहीं न पाया उन्हों ने अयार
रहीं धूंढ उसको वे बेज़ार हो ;
अपस में कहीं तब वे लाचार हो .
पुकारें वहां पर सदा से आवाज़ ;
के ऐ दुख़्तर मकार व ऐ हीले साज़ .
तुझे आदमी या के परिस्तान गार ;
बता जिन परी देव बे दादगार .
ले हो वे अपस की कहे आ मुराद ;
कसम है खुदा की करें उसको याद .
येह सुन ग़ोल आया वहां से जहार ;
देखें शोर की खूबी कहे बे शुमार .
तर्फ़ गुर हुवें सब वे हैरान हो ;

तबअ़ तुम से सज व परेशान हो .
यहीं आ के सज ने किया यह इक़रार
कहा हमको इया कि तुम्हारी ग़ार .
तुझपे ऐ हमारे रंज क्यूं छुपा .
ले मलवल ज तुम्हारा को दो अज जल
कहाँ शाह डीठो है जां बोल कर ;
छुपे माह दिल्को डीठा बोल कर :
तुम्हारे में ले के के जानु दुसन ;
डीत दिल में मेरे किया है वतन .
में दिलो जां से उसपर हुवा हूं फ़िदा .
खुदा साथ मेरे रखे वोह सदा .
यह सुनकर परीयों ने दिया तज़ अदवाज
सारा मधुर किनारे डीठा कर निडाज .
के तुम्हा शाह के लीये ख़सान का .
तुम्हें हैणा रितजा सुलेमान का .
तुम्हें ओळखनसां अन्दर में नळर

ख़ुदा ने किया तुझ को माहे मुनीर .
हमारी तरफ़ से कहें क्या तुझे ;
हकीकत हमेदा तुम्हीं सब सम्झे .
अजब है तुम्हारा यह आने खियाल
यही चाल होनी निपट है मुहाल .
कभी तो परी जद तु आदमी ;
कहां आसमां और कहां है ज़मीं .
दो उपरे हमारे करो तुम मलन ;
ख़ुदा उसको देवेगा तुझ को लगन .
कहा रोह ने हरणी तू न होगी ये चाल
मेरा जो वलणा है उसी के संगात .
मेरा अज उसी साथ सी काम है ;
मेरे दिल को अज यह दिलआराम है .
अगर तुम करोगे मगार हें हजार ;
न हुंगा मैं के पडे तुम्हें अे कजार .
दिया हुक्म परीयों ने के अटका सही ;

अपसे के वोह् दिलमें जलंता होरही .
डरें क्या किसी डाके को अजदिसाल
उठनआ के मुश्की लपडी कम्पेआल.
कहा उसको तीनों ने समझाय कर .
जहोल कि डमतों से ली हुसलाय कर.
यलेडी न न समझा वो सा के ठ वां ;
ये थो छोडो कि उसको अपन होर वां -
उहाल जसहलियों ने जै जफन वर ;
हुवा है तुमारी उ यडीन अेउपेर :
हमारे दे उपेउ हमें हाल में ;
लला है तुम्हारा किसी जाल में .
उहा सी ह् ने तुरे अजानुर है ;
यही जात मुझे डोली में लुर है :
दिअे ऊनेहु लाउर वोह् सारा लिजास
रप्या यार अपने डारेफ्त अपने पास
सरापा छिनल सहो डु खीज्आज में ;

पड़ी ग़म से कैरल के गिरदाब में ।
गुसाहों के लद कर सके लियों पे आह
शरम पे कह तुम्हारा है नामुस वाह
पड़ी आमद ओ ली अंजरदार हो
उन्हीं शोक की ख़िदमत में जा मार को
के औ शोक गोली पे ना कह दिल नवाज़
तुझे कुडने दी दस्तगा की रेसा ज़ ।
मुझे है अपने से आज़ाद कर ;
मैं ग़म गीन हूं मुझको अली शाद कर
मेरा ली मुझे रफ़्स कर दे अजला ;
अ लासी दो जंदे से ली अ फ़ीओ अ
ला.
लेरे सारे मेरी यही है सदा ;
मैं मम नुन ओ हसान हूं गी सदा ।
उन्हीं शोक ने छोडो उसी आल को ;
मिली अंय यहां से लेहम अ़न तडो ।
उसी आल औरसी न औ ग़म गुसार ;

सीता जिस से दुनी में आदम किनार .
मेरी येह कहानी कि तुम सुनो कान से ;
लिया हम ने तेरी दिलो जान से .
मेरे दिल में ऐसा है ऐ नव जहार ;
के हम तुम पे हो तोर के एक ठार ;
परी ने कै सोह से ली ऐसा कही ;
के कयुं कर के नहीं रखो में आउंगी .
मेरा रस्त सारा मुझे जाके दो ;
यही बात दिल से मेरी तुम सुनो .
अगर मे न आवे तुम्हें ऐज ती जान
रखो ऐके कपडा ऐसे सोह नाम दार .
जाकी मुझ को मेरा अजता की लिबास ;
के ता पैह न आउं तुम्हारे मैं पास .
कसम है मुझे मेरे ईमान की ;
दीगर कसम मुझ को सुलेमान की .
रहन जिन न दुनी में तुम्से जुदा ;

सुपन मे रे छिस्का है रोक द खुदा :
ये क सुन रौ क के दिल्को है आया करार
परी का कुवा रौ क जो त ज अे अती आय
र प्यारे कु आ क़ी दिया स ज लि आ स
कुवा दिल में मुरा काल है लो किया स :
पे कली है वो क कपडे ज द न पर रिता ज.
र ल ले के रौ क से य ली छि ह त रा ज .
दिया रौ क ने ला चार हो क र र ल ;
क ही स ये के छि न सा न है जे व री .
यहीं आत करणी ह कुछ है नहीं .
परी और छि न सा न मि ले ली क हीं .
परी ल द में मिस्त मरा कुर है ;
व री आदमी से ज हा त दूर है .
भी तुमें ली कै सी तुम्हारे संगात ;
सुनो दुसरी ली तुम्ही अे क जात .
सुरेद देव मुझ पर है आरोक़ रिदा ;

वोह रख्या कै दिल में मेरी यह हसरत था.
किसी लपे हंगाल वमें दान था ;
नहीं येह येमन और जुसता न था.
मगर ऐसे कुपेरन्या था येह यहां मगार ;
नहाने को परीयां आलियां यहां डिलर
दो सेमाह के जख्म दम्ज़ह यहां झैरोहा
मैं यहां पर से लतीपी घर को न हा .
कलेरा पडी देवडे में नहर ;
कुया लजसे आरा कि दिल मुझे डिपर
मेरे वासते के जनाया येह जाण ;
ऐसा मेरी मोहँजत का है दिल में वोह दाण
वोह डरता कै आना यहां हमको तमाम.
अलील कनहम से कुया हम कलाम.
वोह नहीं कि मेरे नआया पास भी ;
सदा दूर उसँ रही हुं अभी .
अगर तुम जोगे लो मेरा खि़याल .

ताजि अहाल उसके है रफ़नि मुहाल
वोह आलुरदह कुलुमसे रहेगा सदा ;
अगचे वोह दिलसे है तुझ पर फ़िदा .
कहा सेहने होगा तरहल्ली नहीं ;
फ़ुदा मेरा गा लिजके मुब हर कहीं .
कहुंगा मैं उसको ले समझाय कर ;
किसी और हिकमत से फुसलाय कर
वफ़ादार हुं मैं वफ़ादार हुं ;
नहीं मेरे दिलदार ग़फ़ादार हुं .
तरह वहम दिल में तेरा दुरकि कर ;
मैं हुं तन तो दिलसे फ़िदा तुझ उपर .
मेरी ज़िन्दगानी अल्ली तेरे हाल ;
पिला जाम उलफ़त तु आबे हयात .
मैं हरगिज न तुझसे रहुंगा जुदा .
किसी आलमो आलमो हक़ है खुदा .
कहा तज परीने मुझे कोल दे ,

मेरे से ली अपना तु अहदओ क़ौल ले ;
सुखन से न जाकर मैं हूंगी क़दम ;
न तुम मुझ बिना रखियो घर का क़दम
येह सुन कर उस कौल शौह ने दिया ;
परी जैसी के क़ौल उसने लिया .
येह कर कौल ओ इक़रार वोह शौह परी
हुए ऐक तन जूं मह ओ मुश्तरी .
परी पादशाह हैं हुए ऐक जान ;
वोह समझे हे बैठ ने मिलाऐं वहां .
वोह थी दिल में राजा जहोल मुराद
वसल करती नै जो हज़ां से सदा .
परी आ के शौह के के आगे खड़ी ;
पिया के वसल के पैमें हर घड़ी .
पकड़ हाथ शौह ने लिया प्रेम से कर ;
गया ले उसे हैं वोह मसनद ऊपर
दोनो बैठे मसनद ऊपर जेहिलज

लगे पिने रग अलसे लारलारी राज.

कुवा कैसे तज रोह जेअअर ;

पखी से वोह ये कहा करे गुदलर .

पखी ने कहा है कि जो नेक कम ;

हमें जैसे वो छिपारत करेंगे गुदाम.

नहीं काम किसने ऐसी लाजी करो ;

नहीं सर पे अपने बलाजी घरो .

सुनो जी कि तुमसे मैं करती अरज

वोह ला उम है तुमको अलेक है रज.

सुखे देव आवे यहां से यहां :

नहीं आल पीसें करो तुम अ यहां.

नहीं आल करणी है ऊसे बोलना.

छुपाया न करणी है. नहीं बोलना

जहां तगारये तुमको ले के स जाअेवे

तमाशेगिअनगारे ली दिखलाअे वोह

व जे सुखन तुकसे निकलोन तुम,

રેઓ જાલ પેરીી દક્ મેં મુફલરન
ન હોણે ઊસે લઅ તુમ્હીં ડોછિલ વાઅ
વાક્ લચ્ચ દિલોમેં અપ લેકે હોછિલ તુમ
ઊસે લઅકે દેઓ કે હૈ એ ક઼રાર ;
ઊસી વક઼લ કરના મુઝન અમારા ડાર
કહો ઊસકો મેલના મુઝે બોલ દે ;
તુફૈલ રલ મુઝે માં ડામ અ ડાલ દે :
તો મેં શાહ્ દિલા કૈસ અ આયા ;
કે બાલ બારી તુમન પર અયા .
એહી બાલ ઊસકો બિલારો કે કહો ;
અયાં કરકે સામ઼ા હ઼ કરમે પરહો .
વાક્ લઅ ડાલ દેવે તુઝે એ કિલઅ
ઊસી વક઼લ ઊસકો પેહ્ તુમ દોલ વાઅ
કહો ઊસકો એસા કે મેં યારમન ;
મુઝે બખ્શો દે આપ બાનુ ફરમન :
મુરીસે વા લઅ દેવે તુમ્હો રેહ઼ ;

जलं जैसा वैसा रतन कोई न मल.
उदासीक बेन स्नुर है येह मुझे ;
इसमां उकु जाल में से उ लुझे :
सुदा जुझे वाह देव उज आसेगा।
सलाकी यो किस वकुल पर पावेगा।
रहेगी उहां तु लुदी लज लजु ;
लुदान हीं उरी में लुझे से उपड़ु.
येह सुकर पीने लज सुम किया.
पिछे पांदो ह से तु जुम किया.
उम म जुम हुवा ले लुझे होल है ;
यंलकी न तेरे संग मेरा कोई ज है.
नलनेकी करणी ह लुझे छोडउ रे :
जगाहि सु मुझ को लेना है मगर.
सिधारो ऊ हां लम्मो जाकर तुम्हें :
यहीं कांम उरो जु ला ऊं करो.
ऊ हा रोा ह वहां से है आया पालनहार ;

न डीथीं परीयां दरपे छिन लीलार :
न ओले नयाले किसी साल वो हू ;
किसीसे न कृरणीठ कैरजाल वो हू .
परीयां देव देखे कुझे घैलनयाज ;
छिरकने लाग उरसे लाकरगुलाज .
सली मि लकुडिङ्कोरिकाने लगे :
नमाजो अकोत उस दिखाने लगे .
न जो ले सुपन झौर काठिरपे लार
मारे कापासिने पें वो हू आहू मार .
परीयां देव केरां रकें देख हाल ;
कुझे ठामने रोहू के सली पाझेमाल .
झपझु अपरामें वेगाजनें लगे ;
वठे देख रोहू डी वेठलने लगे .
ठिला की कुवा कया कैम जरोहू डो .
झंधारे के रोरान ठीसीआ हू डो .
नलनें कुवा कया के डो छि जिरकै ;

नहिं साथिर की कोठे लद थिर है ;
हमें देव को क्या देवेंगे लबाज ;
किया कामे रो हुले है हम ठो [illegible]
अपसने पिरीयों वे मादिन हुए .
अहोत हो रज्जो दह वे मादिन हुए
यहां अण वोह देवली है आया थिल
ले देया लो हर को ठे है थे ल अमा ज
नदर पा दशाह पर डिया देवसुरेद
देवेरो हुई हरणी ल महां उछ ऊमूद
पंडा या अपेस को वोह जे हाल कर ;
पडा गम का ल लज मिने ऊपर .
मैसल देवेरो ह को वोः दिलारिराठर ;
फुलामे परी देव कहे पैरा कर .
लणा पुछने ऊठ ठो पुं प्यार हो ;
गाढ़ जहां तपरीमें वोह लगार हो
उहां क्या हुवा है मेरे शाह हूं ;

मेरे दिल के ग़ाफ़िल येह दिलख़्वाह को.
सीताजी से जो लो येह कया जानते हैं.
मेरे सोह के सिर पर येह कया घातते हैं.
अगर समय कहोगे तो जायोंगा जान
बगरने में सजुक हूं लेला परेशान.
हमी तुम जो ले सती वे सीता ज.
सिफ़े देय डो हैं येह भी जुरदवा ज.
जो तुम हो सरदार पुरण्यान के.
हो प्यासे पियारे सुलेमान के.
तुम न पर यो ह लहर लो दिलकी हैं जात
छुपा कयुं रखें हम ले तेरे संगात.
रहे ते हम सती पे उसी के हुजुर.
पल कु हम न रहते पे हम छिसें दूर.
ये हम सदा छिमके देरमान में ;
ले कहे ताया करते पे हम ध्यान में
हरा लरली हम्से न तकसीर है.

हमारे लड़के से नहिं जाती रहे
तो कुछ हम पे लड़के थाली डाले ;
और मद्र डाके हनन हरणी हरे ;
मेरा यह डीठ यहां से रोक जेसवर
हुए जो लल नहाया उसली लर
मेरे लाया था वाक जे आई हो ।
सीता जी से आप में वाकया आई हो
वा हो पे हर जमद्रमह दिया आगे
लिखे लय हर आया जो दाग से ।
पड़ा है सीता जी से मुझ को मेरे डर ;
न तो ने जला डाया पे हग में आप डर ।
तो कुछ हम्पे लड़के पा वाक सज डहा
ठहर मेरे आडी न उमस में रहा ।
ये सुन देवरानी ने नह दिया आ ;
जगा पुछ न उसको के मैं दिल दे आ ।
लेता है से अपने में पाया था ।

वोह लोहे शीला जिसे जाया मरयम.
वोह लोहे सलीब पर ईसी के हुजुर
जणा पुछने ईसको फिर जामुरेर.
उको तुम्होंगे के पेह किस आलका
डरेंमें लरहुए ईसी आलडा.
उको तुम अगार आदरोगी यहां;
मडीमें उईअे उपलउ जिसआन.
उको णार तो उठ आदमी फूजरे;
घडी लरमें जाउर उरीईजरे.
शीला जिसे ओ लोअे हरफुंदहोसं,
जे उछ हुडम उरदो जजणींखे लाप.
लेरे जिनमुझे उोखे नहीं दूसरा;
घेराडडा तेरे सीरमुझको जणा -
फिडरने डियाआाठ उयुं तुझमजुज.
जे उछ तुठहे वोह मुझे सजाउ.जूज
जे ईसने उहा वोह सलीशीहे सुना

વજે રોહ રહા આપ હો કર મુના .
નજોસા નથા કુછ લી ઉસ્કે ઉનુર ;
કુ વાબ મમે મિલા ઉસી કા યા મૂર .
દેખા દેવ રોહ ડો કે હૈ જે કરાર ;
જગા આજ જહને કુ વાજર નર .
ઊસે દેખ દિલગીર હો કર કહા ;
કે દો ડોલ મુઝ કો કે કુ મા નરા .
મુઝે કો અપને દો ઈમાન કા ;
દિગાર નંના દિલ્સે મુજે માન કા .
નિમાંણૂ તેરે સે સોદે ણાંમ ગુસાર ;
છુપાયા હ મેરા કઈં આરોડાર .
જે ડણામ સે રોહ ને સુજન એ કહા
કે યેહ સુજન ડકે કર કે ફિર મુપર હા
યેહ ઊલના સુજન સુન કુવા દેવ જુરી
કે હ ઝદી સે જો લો કરે તુઝ પરી .
ને હૈ મેરે નહ દીકુ સો નહિં તુઝસે દૂર

કહો જાડે કા નાર કરે મૈં કહીર.
કહા રીહ્ કો ઉસને કે મેરે પિયાર ;
કે જે મુઝ કજે કે વોહ્ તુઝ કો દિયા .
જે દિલમેં હૈ એસા કુ કહો તુમ મજલી
જે કુછ તુ કહે સો મૈં જાઊં સલી .
કહા રીહ્ને અઁવલ મુઝે કોલ દે ;
પિછે ભિનલ કહા તુ મેરે દિલકા લે .
યેહ્ સુન કર દિયા કોલ ઈમાન કા ;
દિલો જાંસે હજરત સુલેમાન કા .
લિયા કોલ જો રીહ્ને ઊસીસે વહાં .
કિયા સુખન મુંહ્ સે લલી ફિર અયાં
કહા ઊસકો સુન યેહ્ મેરા હૈ સુખન
મુઝે જબ્બા દિલસે તુ જાનુ હસન :
યેહ્ સુન દે વહાં કર અહોલ ઘટ તમામ
ઢમીં પર ગિરા આકે વોહ્ પેસો લાજ .
ઢમીં પર પડા દે વજે હોરા હો ;

नसा से लगा आह करके वोह रो ·
दिया अेक नअ़रा है वोह अेक जअ़ीफ़
के जिस से हैं सरहे तमीं और देसके ·
जलं जअ़द मुद्दत वोह कुरीयार को
कहा मैं ह को ऐसा वोह सायार को ·
उरे उया दिया ठोस हुंगम गुसार ;
चले वोह नमेरे है कुछ हिमलीयार
परी वोह नमेरे है कुछ हाल में ·
वोह रेहली है मुझ सेस दाघाल में ·
डली वोह नहाने को आली यहां ;
नहा करके जली जहां डी तहां ·
नहीं मुझको मालूम कि सहाम काम
के जो करके तुझको मैं हूं हि समझान
न जो ली वोह मुझ से कली अपना सो
वोह कहली है मुझसे सदा हि मली सो
जो कुछ पीह कि डल वोह तुझ से कहो

हमां आल आडी न छिसमें रही ·

कैमल लुअ नुझ डां लेसी दिल अरी ;

दिलो लंसे अंखीमें लुझ डां परी ·

लुअपने तरहुदसे उसके संगाल ;

हमो लेके आपस कैमल जअ डीआल,

यह सुनले उहासोह् लअ ओलकर,

सराणाम डोदिल्की गिसो पोलकर ·

वोपी उसकन ले किलिहे लिला ;

दिघा अकु परी डो उने लअ जुला ·

डहा सोह् परी डोवो हसोह् ओलकर,

केले आण अन्दर डुरे लपोलकर :

पसील लुअरा डनडर डुछ किलअ,

जुलाला लुआ नु हसन डो गिताअ

डहालेकेमेरे उसरी डो सलाम ;

अलंसअ डहालेडु वाहैं लनाम ·

येह सुनडा परीनंले पोलाडुरेल ;

ऐसी आग़ अन्दर वोह है पुरसी कुल

देखी क्या के जैसी है आलूद हसन;

फिर उसमें दह ऐसी है अन्दर पेमन.

परी ने उसे तब किया है सलाम;

पिछे पादशाह को भेरी है पयाम;

ऐ जो तुमको रोह ने बुलाया है अज

तुम्हारा बुधाने किया काम सब अज.

येह सुनते परी खुश कर कर उठी.

फिर दिल आपने पे रे कर सटी.

ऐसी हसन आनु परी के संगात;

परी आपकु उ हालमें लेके हाल.

निकल कर पेमनसे वो आछे परी.

वोह नहीं कुरीह केर ही आपडी.

हंसा देव छे सपरसे कहा पुकार;

कुसे हरण्डो हुम लर सेके हार पेर.

जगा देव केह ने बीसे है सुपन;

के कहता तुझे हुं ऐ आबुहसन ;
ये कह के उस आदमका मुन आदशाह
कलरां लेआ लोग के उसकी सिपाह
जडा पादशाह के ये कह इनसान में ;
कै मेरा हूं हैरान तूरान में .
वहां के येमनका है ओरा के ये कह गुल.
न करना हली उसको तु मुझमें कल.
उसीसे मुरवत करो औौर प्यार ;
रपौट तुमणा लेकाउसे करते हार. :
मैं देता तुझे हुं यहीं आदशाह ;
रहो ऐसे कल हो के तुं मेरहो माह.
ये कहके आदमी और कै तु परी ;
तेरे पर है लाजम के दो दिन अरी.
परी उठके बोली के है सजकजूल.
कहेसे न तेरे मुझे है उदूल .
ये कहके देव हल्दी वहांसे उठा .

पकड़ काल दोनों के कर एकठा.
कहा देव दोनों को आखिर कलाम;
कहो ऐसी खिरारल यहां तुम मुदाम.
मीले आपे दोनों यकीं रोह परी;
सदा उल्तो कामिल रहे बरलरी.
कहे ऐसी खिरारल वे दोनों हने;
रहें रोह फ़रदो वे मिलवलमने.
पिवें रोह अपस्में वे दो मीले मिल
मिले एकतनमें वो हक़ फुलजुलवजुल
वे तालिओ मलजुज ये एक ठार;
रहे एक पर एक को कर निसार.
करें मैं कुरीरी वे फुरीरसे सदा;
नहीं वे पलक एक फ़रणीट लुदा.
वे मौक़ चॅल के फ़रवक़्त आ वें अनार
पिवें लमलारलारके मै जे गुमार.
येमनमें लम्ज़ राक़के वे नौ निकाल;

र के जैसे शुहदे मिसल और मिसाल

कों और खुश खुश मिसल करता है ;

अ लुद. ऐसे अलग हिसार अरसे

छोड़कर वतन को आना अह

राम का और आनुकसन

को हम राह़ लेकर.

कहते हैं के ऐक रात अहराम गोर

देखा ख्वाब छुसने के बिगड़ा है यूं

मुअह़ को उठा है वोह़ कौंकर उदास

अगर अरन सौह़ कारका उछलवास

कहा सोह़ फ़री पोको के आनुकसन ;

मुझे याद आया है मेरा वतन .

वतन की बुरी आल देखा हुं में ;

सरासर अरामे को पाया हुं मैं .

अबर तुम भी जो लोमें दे पुं वतन

करें लके मेरे वतन की हलत न .

अरसे पांच गुज़रे मुझे आए हाल ;
मुल्क छान लीनु हुवा के क्या हाल.
मुझे अज कै सा ... मैं हैरान हां वहां ;
वहां लके हम्मुं उद्दि सज मग्न यां.
कहां तो मैं ले देवसे पेहले सुजन ;
कहुं तो पहोंचावे मुझे वो हू वतन.
परी ढी ठहे जो जी के मैं लाल दार ;
किसी आलमें कै तमाशे अली यार.
मैं सा जे हुउम की ह्या अज हुहु ;
हहां ले ये जो मुझ वहां मैं ये लुं.
गया रोह तज कै वो ह देव के हुल्लूरे ;
हकी हुत किया प्या अ कीस जत हूर.
कहुं क्या के कहेना पडा मुझे तहरीर ;
वतन का जे ले वे मुझे अज हुल्लूर.
मुझे याद आया वतन और यार ;
ले लकर दिया वो मुझे मेरे जार.

અગર મુઝ પે ક્હોં થા ઓગો મેરે વતન.
તો જુઝુંણા એપ્શો મુઝે મા લો ધન.
પિછે કહો તો કરણી હનન ઊંચ ફિર
ભુલા નહિ રહુંગા મૈં તા ઊમર ભર.
યેહ સુન દેવ બોલા કે એ બનમન
મુઝે આજ પહુંચા ઊં લેરે વતન.
ઊઠા દેવ આયા ઊસી વક્ત જહાર
કિયા તજ઼ મુરસેં વોહ એકુ દમ તયાર
બુલાએ ઊને દેવ યારોં હવાં ;
ભેરા વર જહોલ પૈસદા પહે લવાન
કિએ દેવ યારોં ઊને મુસ્તઅદ ;
હુવા ફીર બ્લ ઉને મંગા જે અદદ.
પિછે રૌહ પરીયો કો ઊસી દમ બુલાઇ
પકડ હાપ પરીયોં કો આ બુલિહાઇ
અપસ સરસે તોડા અને આપ એક.
દિયા રૌહ પરીયો કો બીને હૈ વલેક.

कै है काम मेरा पड़ेगा रहते हैं ;
ऐसे आग ऊपर से कै आम हैं .
उसी वक़्त तुम पास हूँगा खड़ा ;
करेगा वही काम जो है कहा .
यह कह कह उन्होंने तख़्त पर किया है सवार
वह प्यारो है यों को कहा है पुकार .
कहा तुम सीता जिसे मरते हो लछमन .
उन्हों को यहाँ था आओ लेकर वतन
रखे ले के राही हुए हैं वहाँ ;
मैं जे मुलकुलगान को पहिंयाँ .
उड़े तख़्त ले कर हवा के ऊपर ;
हुए आके नज़दीक हैं लूदहर .
वे आये वहाँ जिसे दो पे हर के ;
किनारे पे आ कर उसी रोक रके .
वहाँ से कुरोड़ की जड़ा रामसन ;
कहा वह मुझ को उतारो लछमन .

उलागा वहां लेम्न उनकाह डर;
वोह नाजुक बदन है सिरेसु माह डर
पीतर करके वोह शाह आलम पनाह
कहा प्यार दे यों सर के ठर निगाह.
के हो देव जन लव सिंह ले सुतर;
अेके असप ताज अने फुअ तर.
अेके सीकु ले आदम अने नाम हार;
यह लिनो तरह के हल दका तयार.
वोह ल ह्रीसे अैसे डिअे उार हैं;
वलीनों तरह के अने यार है.
लहा अेके पर असस आ अरोह ने लमाम
कुयमपर कसा है शोह ने क नाम.
उसी पर छिठाया है आनुहसन;
पिन्हा करके जुरडा उसे आ ठलन.
कुवा असप ताज उपर शोह सुवार;
पेवा सन ड़ो जै शोह र अन्हर अेक जार

पहुँचा ना न मौंह् को किसी ने हरा ;
गोहर के अन्दर थी सुनो ओ के असरा :
पड़ा जब समाके वो हरी हू स्याम ने ;
उतरने की जगा जगा लाके ने .
सगाके बुलाया है दरबान को ;
दिया उसे कुभी कर उस निगाह् जान्के
उतरने की जगा मुझे आस दे. ;
कुचिला है मुझ से ठासी वास ले -
डीठा जोल दरबान ऐ नव ह वां .
तुम आऔ कहां से है जना कहां .
कहा हुंमें ना हर लिजर न को यहां.
आया पे क्युं हुं कुर से सुन अयां .
दिया घर उतरने को है नेक वार ;
कहा तुम रहो यहां कचिला उतार.
सकुबह डिया मौंह् ने भाड़ी उपर ;
लले आंधा घोड़ा अन ने दो रोतर .

किलेके अंदर तुझे देखा मैं भीतर.
किसी जगे बैठे हैं शोहर आनकर.
गुज़र जान जिसी जगे पर था पडा
नज़र शोहरके ऊपर वोह करतो पडा.
डरा उसके दिलमें अहोल वलवला
पडा उसको जबमें जडाल जमला
यो शोवे पिला वे अहोल आहमार;
आयोंसे ये ले आज जिस जैरे गुमार
कहा जिसको शोहरने क्या गम तुझे;
तुमो ला है क्युं येह सजन केह तुझे.
कहा यों है दर आनसे अख्तर;
तु क्या पुछता है मुझे येह ख़बर.
तुझे दिल इरआदमें पेहलवांन
मुझे याद आया मेरा शोहर तुवांन.
कही बात तुझसे नहीं कुछ कही;
तुम्हारी वोह सुरत [illegible] कुल थी सही

वो क्या लेके सुरत ने खा कि अजदहल
मुरीद्धा तुम्हारे अराअररीडल.
वो क फरमेके डी डरतापा सुनदिलस्पी.
रछि पतडीकुरला सखपेर थरी .
हुया ठअसेगुम कि वो कीरीक नामदार
मुलकपेर पडा कि अलन आरीकार .
रहिकुलगीरडी रोते हैं कम याद कर ;
अपेस छ न्दुरुणालीडी अरआदडर .
पुछा गीरसुी अअडके लेयारी कलुवाल
गया वो कि यहां से कहां कै ठकां .
अली यहां डीरा की कहो कै किसे .
अली कडने दी दरसणा की किसे .
कहा लअ गुठरआननेंसअअयां
ल्ये पाछि अलीदासे किया वो अयां.
हुआ गुम वो छसरोठसे नामदार .
हुया असे कुछेरडाने दौलत मदार .

बख़र उसका था हर सुब्हमे जोम्न.
दिया तिन्हें सजने उसे लाले तम्न.
वोह करता यहां की है रो ही खेलाज.
उन्हें रोह हर सज है किया पाअेमाज.
अडा उसने ऐसा किया है सिलम;
दिया ना नहीं कोई उसका हुकम.
सके लियां महे लकी सली आसोअ
जिगाडी उसीने अेका अेक तमाम.
मगर रोह हलदी थी अेक सुरा दिकल;
उसे संदमाह का था कहे ते हमज.
हुकम वोह नमानी उसी का हरा;
हुकम उसका उसने दिया था दिसा.
उसी पास करनी ह नहीं वोह गछे;
सुधके हुकमसे वही अेरे रही.
हुआ उसपे गुस्सें वोह बख़रे रोहीर
निकाली महलसे उसे कर तगीर.

वोह् जंगल में रअही हैं गुजरअना ;
रआरीः कह्लती है उसमें जना
हरी यार आमें उसके अन्दर ;
कुसके नाम हो उसको है ले मगर .
ली अक कुल पानी हो कर दिया ;
पसी कुल हा अमन उसी का किया .
उसी लिये के कहले के वोह अक्सरी ;
जनी अक लड़का अकोल क्रिसरी .
वोह् हेर जं दहीके लड़का अकोल क्रिसालिके
के जुयां हेकुनम काहेगा उगा .
वलेकीन उसे है हैं स अ लर ;
न तन पर है के पड़ा न अन पेर लर .
अरस पांये गुजरे हैं गुज़ न मने ;
अलील क हैं जले ये हो नो जने .
वोह् कड़ना है लालिम जुलम के सकू
हयान के कुदा कहीसे अोर डर .

યેહ સુનકર કે રોહ કો ઊઠા યેડ યેડા
અજિયાંસે કૈ આમુયે લે લર લિરા
વલે ગમ સંભાલા ઊને બેકિયાસ.
કિયા ગમ કા અપને અન્દર દિલ સમાસ
મુઆ દા મુઝે કોઈ પિછાને પહાં ;
ઉહ લેદ મેરા કોઈ લ વ હાં :
કહાં તજ ગુઝર જાન કે લૈં હો વેણા.
તુ ઇસ ગમ સે ક બતક પહીં રો વેણા
તુલ જૈ ઠઘાને અપન કરં સબૂર :
ખુદા સે નહીં કુછ ઠરા બાત દૂર.
મિલા વેણા વોહ રોહ તુજ્કો ખુદા ;
સબર કા વોહ તુજ્કો દે વેણા ઠલ.
ગયા તજ ગુઝર જાન ઊસ ઠાર પેર
દરદ ગમ કો સિને અંદર મારકર.
વોહ તજબીયા હૂ ઊઠ કર પડી માસલ
કહા મુઝ કુછ હૈ મગર ઇનસાફ હા.

रजा दो मुझे तुम घडी दो मै फार ;
जिस्से तेरे आगे मैं करके पीडार.
परिने दिया उस्कुं जे साठ थाब ,
करो ना रेहना तुम उठाके आदिम
उठा मेरा वहां से जहां र श्रापे कर ;
जो आगे सभु तरखां फासमझा अर्जे कु
दुका अमे मैं न लाकु करने पीटार ;
रहो तुम भे अरदार घर सठार पार.
येक के हुं उस के लैं रेहा कुं रहमु वार
मेला वहां से सहराओं में अफरे पीडार
समाया अन अउस घडी रोदीया ;
वोह घमुरन दि कुदे सवारी किया.
अडे दज दजे से वोह फुंकर सुवार ;
उसकी जर के नि कु आओ ली ना अडार
सुदा होने करनेका पासो हरेर ;
नहीं हे वोह मिटनाली उरता हूर.

परी ने ओढा ओढ दरी थे डीरा ह ;
जणी देख ने उसको कर कर निगाह
ली कुदरत खुदा की का देखो तो खेल :
हले देख असी अणौर यहां ली लेल :
परी पर पडी जब उसकी नजर ;
उसे देख ले की हुवा बेखबर .
उसे देख दस्तुर वोह लजमला ;
बडा हो के ख्याल सरा को भुला .
कहा उस हणा कि परी औरत री ;
न हर आठे मेरे बहोल बरतरी .
ए अरजो वोह है कौन किसकी हनी
सरापा अिपे है कौन येह पदमनी .
गुहर आंको ख्याल सरा ने भुला ;
पुछा ठान है वोह कहां जन अुला .
येह औरत है किसकी स्वोल जहर करो ;
किसी आलसे मुझ ठोआ हरे करो

गुहर धान ओ ला है सा है असदल
यही असल री हणमें है जे मिसल
चले अे कुह वांकी है वो ह् असली;
वो ह् करने हो आया है सब दागरी:
वो ह् काहर नहीं है गया वो ह् अहार
गया है वो ह् सहरामें अहरे सीकार.
ये सुन आलम्या लसंगा आहेर;
कहा न सीला लिसे उसके कुन्हर.
येह् सुन्दर के म्या न सरा को कहा;
के न कर सीला थीसे लु उसको जा.
के जे न मिया ना मे रा सवारी के लैं;
वो ह् ले ने येला उस लिया रीके लैं.
यला ले के म्या न सरा उस के ने;
अगा न रहा उसके को साम ने.
लगा उसको के हने मैं गुल या सम न
यला तुम सीला थी से ना लु क अहन

सिवा गाकै रोरान लेगा मेहरो माह;
कु था तुझ पै प्यारी कु मेरा आहरोग ह;
पै लो तुम पीला जिसे लै यार हो ;
ले रे कै लिमे रौह ठोरां आरहो.
पेह सुन्दर परी होणी छैह लराज;
दिया कै उसी को दिले येह छवाज.
अ तु छ रेन नहीं ले रपहां कुछ छराट
किया नाम नाभुस मुंओ मेरा .
कहा मैं ये तुं हां तुम्हारे संभाल ;
व लेगार सुनो मेरी तुम ओ क जाल;
मेरी कैठी पोता कु संदु कु में ;
नहीं छिसी कुी कि जी मेरे हाथ में .
मेरा कै लेखो कराया वोह जहार;
ले कुर सा पे पिंजी वोह करने पीडप
अगार ओ लमुळ डो तुम्हीं घोकुरेल;
पेजु ले पहां से मेरी पेह पीडल .

मैं लचार होकर तेरे संग में हूं ;
मैं न कर तेरे याद तेरा कसे मिलूं .
सीता खिसे प्यारा नसरा ने कुहेल ;
रेखा ओल रही उसी के अगल :
से पीराणा अप नी उसी ने ठहा ;
पडारे हल याकर लु प्यारा नसरा .
ह हां लगा कर मैं अपस का सिंगार
यहां लगा पडे हो रहो तुम अहार .
पडा नहे हो अहार प्यारा नसरा ;
ल अ उस अमरसरी ने अपस होल न
वो ही रेख्त जे कर पगी जरा में घर ;
तुरत वो कह के जुतर ही सुरत पे कड .
हरी पे की राह से निकल कर परी ;
किया क्या परी ने पे हल हुणरी .
मुकाबिल जहां न जैर छपेरे उपर ;
लगी उसको कहने के अये ननवर :

ऐ पीर अब्दुल अकमद के तू पकड़ ;
जुरी आल तुने किया पेह रीरीर .
मुलक माल दीखा जिनाड़ के दम ;
पेह अपने हो अकमड़ अमारा के दम
को दुरी पार आया है जे कराम गौर
तुझाओं से को डरण पाआज के दुर .
दुआ से डरेगा तुझे पास माल ;
तु उजल के रहेगा अपेस को संभाल
येह सुनुर गुजर आन बीसी से अपेक
तुझे गर मिजे रोग ह्ले रा अमन .
क होडीख्डो मेरे तु अब्बल सलाम ;
अलं बीखो ओसा किया है पयाम .
स ज. ह.मी हर को ओरो ह नाम हार .
मिजुणी तुझे मैं वहां गमगुस्सार .
करो गर मे प्या हरी तु दिल्हे मेरी ;
वहां जाटदे पूंगी लडर तेरी :

नं: ५

यह कह कर लीला जी से है वोह बोडी ।
मज ह.गै कह अजदर परी ले पडी ।
सुपन न यह कहा ले परी ने पुकार ;
कु वारी कर सांरे अजदर जारी कार ।
यह सुन कर वोह दस्तुर को छेह लगा
कहा अे कुह माअत पुजा कर लीला
रहो यहां अजअर धार पा न सह संवार
कहो पास आनी यहां छे नली लार ।
वोह जे कहा मआये छेसी धार पर ;
ले आओ लीला जी उसे मार कर ।
लीला जी से जाये ले उस मार कर ;
उसे देके राज कुईंगा मैं ह.र ।
रहे यहां अजअर धार हज़ वे ह वां ;
हमा आप रियर जो वोह अे छेमां
दिले मेंं वोह अैसा है कुरी यार को ;
कुआ है वोह जैसा अजअर धार को ।

गया था वोह फिर कर अपने सरदार कर ;
सवारों को उसलमे पर छोड कर :
गुहरजांको अैसा हवाल जाहिर
मजादा पैला आवे रौह जे बेजार .
कहींल के मा हर छैसी जालसे ;
जपै लारौ हनरौहा छैसी चालसे .
फिर कर के दिल में वहां से पेला ;
रौ हर के वोह आकर उसी को मिला
कहा सुन ले के ला हु अैनामदार ;
पला टज पसी से लुकरने रीकार .
ले देपा के मैंने वोह लहर के ;
रे जे अकु से मैं भा हर के .
नहीं फूज लुको ले मा ना लजा ;
सलौने पके पा ना लुके जर मिला .
पडारे ह के जो ला है रौ के अगस ;
जयाने हकिकत सली पोज दिल

कहा था परी ने ले उसको पे थाम ;
किया शाह ने बोलो सौ सौ सलाम .
अगर मेरी प्यारी है तुझे कौल वां ;
सब अब हमी है लाली कुश्ता पोवकां .
पुछा शाह ने बेलज कि गुलहर आंके लें ;
कि कुछ और तुझ को कहीं या नहीं .
किया अरज उसने कि तज आलियाल
कि का उमर शौ कर्डी कमेशा दशा ह .
ले मुझसे कहीं बाह में लहर किया .
किसी सम अस मा का का मा कर किया .
न हर में लो आवे उसे तुम कुरो ;
लला है यकासे के पिछे फिरो .
यह सुन शाह दिल में हमें सर दलर ;
किसा अस गुलहरआं से पिछे को फिर .
से लामौर आया उसी आग में ;
उतर आके बैठा जो दाग में .

दिया पानी से देव ने लेके आल ;
रोना पी सो है आप पर नौ निहाल :
कुवांर भम आल रा पी पेर आस ल.
कुवा देव हाल र पी सी लपेट ल .
अद ज से जडा हो किया है सलाम.
कुवा आ के मैं हुसे वही हम उ लाम.
कहां क्यों मुझे तु लड जुदे दिया.
जुदा काम उया है सो तज रो दिया.
लेडके बा हो मुझ कोअ ली तुम उहो
कि करमें न दे दिल में न हर गी बरहो.
कसम है मुझे मेरे ईमान की ;
नु दो और हटरेत सुलेमान की :
दिया है मैं तुम पर दिलो जान से ;
कहो सो जल जीं मैं ईमान से .
कहा पी सो ओ ठर डरो हने हैं यु ;
गिरे तार पहां मैं मुसि जल डा कुं

मुज कु महबत मेरा कुया कै ऐसा ज ;
अने परी पेरी ने किया है व लराज .
परी दीडण है कै सज व रो करडो ;
नहीं मेहरबान है वोह ऐसे करडो .
मुझे दाग पर दाग आया था अली ;
येह न कसद आरामी हो मेरी कुली .
दिवाना मुझे वोह परी करणा है ;
जिस नाम का सिर पर मेरे धरणा है
लगा है कि मुझ को दिवाना किया ;
मुझे अपने जिसे जैणा ना किया .
मुझे मैं न करणी व नहीं जीस मिला ;
तडपता कै दिल जुम छली व लाशिना
जुदा है की आलरीसमल कै जडी ;
वोह आलमी से मिला व ले कर घडी
लगा पी ल मुझ को वोह जैणी किया ;
परील के वोह पंथ का कैलोणी किया .

मैं ले उड़ूंगा यहां से जहां है वो परी ;
ये काला देव पै आपने में आ किस तरी.
ले आ उड़ के परी को या मुझ को ले चल ;
अरे काला मुझ को परी से मिला.
कहा है व मुझ को कि सुन मैं आ गया ;
पिरी आल पर करनु दिखाने लगी है.
सब्ज़ परी का नाम कुछ है सुना ;
जो देखा कु उसको न कानों सुना.
ये जो की न मेरा वादि सुर जैसे है ;
कि ने सज मेरे उसका बड़ा राज है.
कि सब्ज़े को है कोह का उसे आह है ;
हो जो देव मुझे प्यार करता है.
वो है अब ले जाता ले मुझ को वहां पहुंचाओ
सब्ज़ परी का वो है मुझ को दिखलाओ
ले हो काम यहां हासिल जो भी करो ;
पिछे से आप मेरे गिला जी ये सो

कहा शैख़ ने ऐ वज़ीर ऐसी काम कर;
ये कह दस्तुरला आओ ठजदमारे कर.
मेरी सलतनत में करें आप ने काथि.
पीछे मैं मैं लुंगा तुम्हारे संभाल.
जुला या ओ ने ऐ कलज देव ओ;
कहा दैउ लयकां अरे दे वजू.
फ़अर ला मीला आी घिसीरो कड़ी;
लुला कर स्अर हे मुजे दकार की.
यला हे व ओरकी के लेने फ़अर.
करे हे सम मस़ लुम फ़अर मुगलकर;
किशाल के मौं हैर हेव मारीर;
लमानेगा हिंमा ढे ढिया जे न जर:
सुना लोपे माना के कर ठार ठार;
किसमे़ पर व कोठों पे अन्दर जहां
कि मे़ हमस़ लेगा करउ ने जेअदद
लडाढि के ऊपर म्हडे मुसल्मस़ द.

वके खोणरो कराके डरे देव दे प्र ;
कुझे दिडर अन्दर कैंगमेनाकलेक .
किलेदिल्मेंडरते किले पैपुरोकाल ;
केल वेगा लालिमयेक कोपाअमेमाज
केआया कैअअरोकजकेराम णोर ;
वले देवघा नासे पेकुडा केलेर .
अजरसुनयेक दस्तूर कोजेकरार ;
केआमें हमम कोकेदेवां कलर ;
येकसन कालअकरेक कादेवरीलप
सुनाया ले देखा जी ने जे किलज .
जी चादेव साकल अजे के नाम दार ;
जुलुरणी दे जीस्तो किया कमकिनार
पिदासु र लेंसा वो क राकलसी लीर
के लाओ तुम्हीं ल के अअजीस्के लें
गुनकगारसी क डाके वो कमोर के .
वलरजीस्टासुल वसीरलेर के .

उसे मारना है तुम न पेम्बर हरछ ;

कि ऐसे सजापै वाजिब है क्या करछ.

येह सुन ते उडा देव वहां से शिताब.

गया उडके वहां से मिसाले सहाब.

है ऐसे कुया के जौ ठाहै वोह तख्त पर.

जडे दवद ऐसे जहां तेहुज कर ;

वज़ीराने फेर डाने दौलत जडे ;

उसी वक़्त वहां पर बैठाकर खडे.

तमाशा सर वोह अपना तख्त के तले ;

वहां से उसी को वोह लेकर चले.

तहँ पूर कुऐसज येह पाया सो आम

अनज में पडे हैं वहां पर तमाम.

कोई कुछ कहे और कोई कुछ कहे.

तअ़ज्जुब में होकर सतली सुपर कहे.

तअ़ज्जुब कुया शाह अके सामकान ;

हुवा पेशी वा गरयास और आमकाल.

यों कह असुर सा देवने आमहीर ;
अड़ासा किया उसकोयों कहके कुसूर.
सुहेद देव औरयों कह दोनों हने ;
दोनों मिलके जैसे थे आपसमें ने .
दिगार देव दानों ली कर कर ठार ठार
अड़े थे आगलयों कहके आंधे कुसार
व ल्लरयोडी देऐग छि सुधालिस
कुकाअ अमें ल उं यकांसे किंघर.
सुहेद देव ओसाकेअै नाम दार ;
येह कहर तुम्कारा है दुश्मनमकार
कु वायों कह डाअै सा है उस दम अनर.
येहमज उलनी घाँद है णा यामर .
सल वार उसकी यकी अअसल ;
येआओ उसी डो किअे डीमल .
निडा लोआंमें थे सकी औार लुआगेप
सल उसको पकुमे किअे डीमणार .

रे ले को छिआ का से को नमे के करोम;
स ल उस्की देओ य की कै मुहाम.
येक सुन डर के दे वां मैं तर रे के ;
लुद्दा जं ढह जं ढह उस्के डर डर रजे;
लुने उस्को आप्पर वो कैं आठा पेर.
गम्जे आके तुडडे व कीं सर जसर.
मी कनरीा क् हरलुर डो मार डर ;
डके ला छि मी करने येक स ज्को पेजर
दिला से कै लै लस लों को डके ला;
ले घेर डा ने दौ लस लया वो क् आ मिजा
येक सुन डर अमिं यां दिगार लोग सज
मुहा का पु डर वे ज ल लाग्जे तज.
स जञ्जस जा ज मा कि के तैं सा पे के ;
आ चे सा न्कने मैं के ले दा पे ले.
निक लमी ा का से जाद र आमे लुलुपु
जडमीक आगापिछे हैं वे कुल.

मिले हैं आज ऐसे हमसे सजली आ सुरेर.
जैसा जैस हैं न हरगा ने ला ऐ हुजूर.
अमियां वरख़ै पत करे ओ गुमान ;
कि ऐ हर हवा कीर हैं ला कर निसान
सा हनशाह ऐ कुऐ कु को पासे बुला.
तज लुर कियाहै स लों सेलु दा.
तवा लिये हनशाह ने दरबान को ;
अहांत लां तरसे ओस गुहर आन को.
कहीं गी हने देव को सुनो ऐ सो आल
मैं पर सुपेसुणा तुम्हारे संभाल.
करो ऐक दीन यहां तुम्हीं ऐ अमुकाम
मैं ऐक दीन में ठर लुं तक छ हैं तमाम
कहा देव ने तुम गिलाजीसे लव.
लै कुछ काम होवे ओसे कर के आव.
ओ ठापा दशाह है प आरी कहमें ;
ज लरा दीया ऐ पैगर दफ़रमें.

गोला धीमसे मैंने अपना जमीनमें ल.
उसकी हँसुआ हटा वोह भी सोचल
निकाला है अगम वहीं कहल दको;
मैंने फूल लाया वोह दिलसे याद को.
दिखाया वोह लाकर वोह अपना बाद को
दिया ना हमों और तफ़्ती कहल दको.
आमिरों ने हाथी कुछ ये काम को;
वेता जो किसने कहीं उसकी नाम को.
ले जहदार उसको कुछ ये यारगार;
बुलाकर सबों को किसने कहा कहार.
सके लियाँ बुला उसकी सजा आम
छोटों से वोह जहदार ने किया कराम
पकड़ कर सबों को हाथों में लेकर;
दिखाये वोह ने ऐसों को सजा लेकर.
उनके उठ लाकर वोह ले ललआम;
किसने पहर सबों को वे दें बांलमाम.

जहाँ न लांत उनको वोह हमेज़ वलड़िए
सुहेद देवको सोहने ज़्या हेत दिया.
यस जम्मा हमीयोंको व ही देवसज.
पेलकु लिये पाकुरणा अभि लेकु सज.
कुम्मा देव डरसोह के हकमें तली.
रहे आगमें मेकु सोज व सली.
मलेसाह् मेकु सोज रहे मे ह लमें;
रहासाह् लहे रिसलीं सुणा लमें.
ज यकुले सुज ह् जहार म्मायानि हल
जुलामें हे हौल लके मकोंसणल
मोलासाह् लहेको पारसे लिठा;
कहासजम्मानियों सोहरके सुना.
पेकी सोह लुम्हारा लुम डारके वज़र
लमसुँतसे रहीयो डासीके मुलीम.
मैं लला हुं आनु हसन केसमम.
नरहीयो पेमार हाए कोहि जेम्महज

कफाणिनसल्लों नेअदफलाअल.
येकीरीक् कमागामिल ७पुदा.
पुदासेलेडोछेरेसियाकीडरे;
कियाआपडाआपकींवोक्लरे.
येडेक्सुलेरोकेनकां कोलयार;
मुहैरहेवडेपाउनेपकोंयाजेडआर
डफाअअमिलामुखठोआनुकसन
मैंपायाअपेसडासंलीमुजोघन.
किठायालयलपेररोक्फोलेडरणा
गयाअपनेरोकडोमडांपेरपछा.
रयाअजेडरोजरोकडोकेवोक्वकां
अवडलेहेठरणीसओलेडरेरवां;
रोकनरोकडोअपनेलपतपरकिठ
णिठाओलपत्येक्हेओंडोडकां.
डफालुमकिलअंडाईकोअआसिधु
सीतायीरोक्नरोक्डोलुमपकोंया

दिया सरदाराँ को उनने तोड आल
कहा के इसको रखियो हतन से संभाल
हकाँ के इसको ऐसे को ठे तुम आग पर ;
मैं पकौं मुंगा हल्दी वकाँ आन कर .
कि ता जल सिम्री अेक ला के को वोह
के सी को सजन्नी गोकर पकाँ आके दो
उठा लम्ल को देव हैं वे उठे ;
कि उसे का के जी माह उपर पे ढ .
के से खिये सुर आज को कुछे खबर
कहा कि सी देव ने सर असर .
के आला है वो के आ दमी प्यार का .
नहीं हरगमें ओस के को चै सार का .
सती वो कुछे रोह का छे नालिकर ;
येह सुन करके उसको उठा किरगुआप
जुआओ उसी ने हैं देवां पगी ;
ले ओरडाने दौलत पे सज सरवरी .

कहा साम्ह ने रोहके तब जी से लग जो.
जड़ेगा नरो व कुल से उसको ले जाओ.
येह सुन कर देव सुरत्या जओर हमेला
सुडा बिलजने रोहड़े वाहे आकर मिला.
वहीं रोह पोहरा किलजे डारे डो ;
सिता जीसे लड़ कर उसी आलडो.
येह मिलजे रोह नरो के ओ ला सि ला वे
मेरे दिलको हैगा जहालदे त ररी ज.
सुनो देसंडे मुझको मत हमें के रडो ;
उसी लपेट ली मुझे दो पहरे या.
मेरे दिलकी दिलदार उन्हे है वहां ;
वोही मार मुझको गडे उस मडो.
मुझे मैन करणी उनकीं ओरकु तील ;
मेरे से छुडाकर गडे मेरा दिल.
मुझे रैन उठनी ली आरी लगे ;
उसी दिन मुझे सलमं चारी लगे.

યેહ કેહતા હુવા થા વહાં બરબર ;
હુવા દેખ દેવ કો લીણાંન બેશુમાર .
જો થા ઉસ્કુ આરામ કા પયદા હુવા ;
ન લી દેવ કો રંજ દરદ પયદા હુવા .
યેહ સુન દેવ બોલા કે મૈંહ કે હુજૂર .
સબ જરી ફર તુઝ કો દિખાના જરૂર .
કે મેરા બડા ભાઈ હૈ એક ઔર ;
બ જન તૌર હુસન ઉસીકા હૈ તૌર .
ઉસમ દેવ કે હદ કુ વોહ ભરી હૂર હૈ ;
બે લડ કુ દેવ પરીયાં ઉસ્કુ મામુર હૈ .
સબબ મૈ હર વોહ તુઝ કો વો પહોંસ્યા એ૦૨૫
બેમન જબ હૈ તેરા વોહ બરલાવેગા
કરો આ જૈસા જ તુમ યહાં પરમ ઠામ
મુજહ કો કરેંગા યેહ મૈં તેરા કામ .
કરે ક્યા ખિયાલ વો બાયારથા ;
અગરચે ખિરદ કા ઊસે બાર થા

રહા ગાલ વહાં રોશન લામ્પાર હો ;
બિરહ જન્દ પારોહ ડાગ મજ્બાર હો.
સુબહ ડા વોહ સુરખાબ કે હુમ અરગાલ
જો આ દેવ પરી યાં લિયા કે વોહ કુલ.
ઉન્ને કુછ તરહ કે મંગાયે શરાબ ;
કુછ જુન્સ હા ઝર ઠરાયા કુઆબ.
કરાયે હૈં આને લર હ કે લયાર ;
બિછાએ બિછાને ઊસીને ફુલર.
જહાં લપ્યાર સે દેવ રીહ ડો લે લન ;
જરા જર અપસ કે લિયા કે બિઠા.
રાગ જો કુઆ જોર જા જો લજાજ
રખીરી હૂં કે આગે મંગાઉર રીતાજ
કહા દેવને હૈ કે મૈં જોસ્ન વર ;
કે હમ આપને રખ લો મેરે સર ઊપર
લવલૅ ફ઼રો ટુ કે પિયો તુમ શરાબ.
કહા તુમને આપ ને લીડા લોડ જાજ

परीयां ली कें प्रिद मन में तेरे सली ।
कुरां ऐसे रो चैरा रल ऊीकों से मली ।
से के परीयां ले थीं जको लपुरोरिहु
ऊ लेतापो रणां के डियारें कमणाल
कुछे लरकरें कु डें पेसनझाय ले ;
नहीं रोक डो करणी ठ वे थीं लायलें
जको लगालरें कु डो वा कलारी गदे
ऊरसी माक प्रिलरो ज अंधारी गदे
ठली में दगा या डियारों जऊ हुरे ,
रेठरडा कुवा पकुल आ डुर ठ कुरे :
नंगा देवनेत जमुरसें डा लजन ;
ऊ ने प्यार देवां जुलाऐ कैं सेमन ;
अपने सररसे लोडा ऊ ने ऐ कुलाल
दियारो कु डो रप्पीयो वेसी डो संलाल
ऊ ने ऐ कु सुलेमां डीथी कुसाक ;
नंगारो कु डो हीं के डकां कै डेराक :

येक् है जो असल तेरी ब कौल कामं ढी;
कलमां जोन जोन येक् है दाम ढी.
उसे अजो ढ करके परीयोंमें तुलव.
तुझे को घैन है पै तु सख्त दे अआव
अने आ जमे राह औ अआण पेर;
रोता जीमें प कोसुं णा उस लमेपे
जो यां डाम मे रा पडे तुम डो आये;
तो उस व कृत जेना तुझे तुम बुलाये
के व लाँ कृशा जम वको किसे जने;
उसी व कृत येक् तुम रखो से कने.
कुला देव ने हज कुदी या है ठो;
मे ढा देव पेर तअलिया राह् वो.
उने ता घि डो अजे कु गिता जत लिखी
कि डापत उसी में लिखी राह डी.
कहा है. व यारों को मेरे रतन;
घिसे ह ल्ही जल व तुम ता घि कन

उ कोला छिंदक कोमेरे स्लाम ;
कि ये हकाम उसका करो तुम तमाम .
ये ह केह करे उन्को कारवाना किया .
दिवाना को कुछ ली सियाना किया .
उसे तफ्स जे करवे हैं उस तरे ;
हिंदक देव के हैं पजे पे तरे .
कि ते जसद मुहल व उस रोह को ;
सामे वहां पे उस माह्मुने रोह को
जसरों की हिंदक ने पाया कि हज
वो ह आया कि ये तकर लो दे जाम हज
उसे दे जिहंदक कु वापुरी ल ला .
लियारों को छाती से अपनी मिला
लुरलरों ह को जोला कि मैं ने कर कार :
मेरे पर तुम्हारा करम और प्यार ;
कहारों ह ने उसको कि ऐ नाम गुसार
मैं हुं नाम ह देह और हुं दिल दिगार

मुझे सजन ने सीकारा कि दिल मे खियाल
जहोल सी कि मुझ को निहायत कमाल
सजन ने सीकारा दो मुझे तुम पे होंसु
मुझे यारगां में प्यार से तुम मिलाव.
वसगार नहीं तो मेरा चुरा हाल है ;
जडालेरा जरलमसे छिडजाल है :
कोवा डि हेमगार तुम मेरे हाल से ;
छुडा दो मुझे छैस तो हंजल से .
येह ठके डरे से जहां पैन दीमाजसे
दियाल जने लाया पा सुरप्याज से.
किताज पे दो है तुरल पोल डर ;
बोह सनकों है मतल जस लीसरूप
ड हा ठीसुदो येह गाम जहोल सेजनहै
ठगारलन ठीसुाम हीरे दतहै
डहा देवने मैं सजन ने सीकारा को ;
मुजह लङ दियाठीं ठीमसी देहरा

ऐसी आलम अंधेर हो गया में व लेउ ;
कमारा है सब्जु आजडाला ऐसे के .
नं दाव ल ऊस्की डालु सुन नाम है ;
डरेणावो तेरा लै पेह् ड़ाम है ;
कडे लाम्हे मां हैं ऊस्के संणाल ;
स वा लाप्म परीयां हैं हे रऊस्के हा पे.
व की लुक्र डो व कां परली पे कों सा अेणा
व की ड़ाम लेरे डो अर लावे णा .
सुअह् लुम्डो पेहुमां ऊं ऊसदार पर
र कों स्मात्ह पकां अपेनाणानमार डर.
ऊस्की डो पकी आल है रो हललर ;
पेह् के ह् री ह् डो आया है अपने वोघर
मे हल देव डाली किलअे दहर वोह् पेप
अहोल देव परीयों से पुर वोह् हीपे.
वलेज्या अणाह् देव की पीअ ळ्अ ;
वही देव जुहरैण अडा पान ळ्अ

दिपे के दिवारों से उनके कुवार ;

ठडे जम्न जयाकुल फ़र ठार ठार .

भुन कुराम के जम्मे कुपा उसमने ;

जिधाने ठरी लारा पुंठ उसमने .

सेमन में जिलेगुल पै फ़रलांत के .

अफ़ोल खोड मेम्ओं के फ़रलत के .

कुन्या में लमे पे कुछ कु साम फ़ैं ;

वहां पर वो हमे वेस लीआम फ़ैं .

लीमेस्मसे पै पानी के फ़रलरवां ;

के वो हलम्न लमें जयी ठनेतानिरों

छसे दिलमें दिलजर का कुछ फ़ै जियाज

लणो उसको तनालली फ़ो कुर निकाल

मणार उस परी पर न फ़ोता पैदा ;

तो वहां से न फ़रणी ठ वो फ़फ़ोला लुध

जिठायायो फ़रीफ़ कौ फ़ै देकर कुलाफ़

जुलाया परीयों को फ़ै जफ़ैरत जाफ़ .

तोताओं के गीतों वेसबज़्यादे ले;
मुरसेँ के सागीर भी ने गाये दे.
परीयां दौड करती हुई नज़दीक आ;
लाया आसमान जिसमें नदर है जुला
लगीयां रकुस करने वेरों के हुजूर;
दिया ने अपस को लगीयां को सरीर
वक़्त मालती हुई कै मौत गाछै;
वो कुआं सुसे हुह ठे कै चोंती गाछै
कुछ नमेरा जड़ी कै आसली तमाम;
लगीं वहां पे डरने पे पक्षी कुरी कलाम.
मुजह ने लेआ कुरान को जानि काज
कुवा कै मार केने लुजुम आके ताज.
जो जात जरी कनया को छेह तसाज
कहा दे वसे जुम करो अज गीताज
तरहे यार मेरे रवाना करो;
मेरा दिल ज दिवाना मेरा पाना करो

ये ह सुन दे व अपने तअल को मंगा ;
रवाना किया राह उसपेर खिठा .
उने सरसे अपने तोडा था लअले कु
कु कागरपे मुरा की लं पटे छिस्को सें कु
पडे डाम मे गा कुली लुमं डो आप ;
लो हाकर में हुंगा उसी लपे आय .
यही था लमे रासि कों आण पेर ;
लो दिल हौर हा दर हुं उस लप पेर .
दिया ओ कु उस्को मंगा कुर अज़ सा ;
दिया सज हकि कुल उसी ही ठला .
असा है येह फठरत सुलेमान ठा ;
सली देव परीयों कु डिमान का ;
असा मैं दिया हुं जडे प्यार से ;
तुझे लकु मिलना है दिल धार से :
किसी को अणार से हों दर पा हं जर ;
तो सारी कु अह जा ठी से हों ठे र ठे र .

कुकमसेफुधाके वेसजफुलपेडें ;
पेक् म्मासेकुमारे सेलुहेलकडें .
वोक्लेरोक्छिल्मेंकफावाक् वाक्
कल्पी लैपेक् फो वेणीमकृसदकीराक्
किया कुकमणंदकने कैंदेवांफुलाव
डरो डीन्को फाठरपफां लेके म्माव .
ले कम्मां म्मली लुम डीसे लुदलर ;
विमादरणांदावल्कु ठलदीसे घर .
म्मापे देवडीन्कों ककें न पींलाज ;
लपछे पासरोक् डोलुन्फीं जेम्मताज
वोक्लाछे फो डीम्ने किला जलालिपी
ठब्बानी कफिकलली डीन्को ड फी :
सेलाये लेरोक्ड्रासरं ठलम दे ;
रयाना कियारोक् मोमें ठलमदे .
डीडेदेवलेतप्लकेंरोक् फों ;
तरहेरोक् के डीडा डीसमिसलमाकडे

यलेली नदी नऔरया लों ललड ;
पीडे मौक डो ले डर वे सुझे हेलड.
अमो ठे मेहारम कैं पकुं में अदिकु.
गं दा वल ली आमे कैं पलडरन णमु
लयारी से निडु लाकै आं मो ठ वोह
अहो ल ले डु लरो डर कै जामो ठ वोह
आला उसको देखा कै मोह डुरमे ;
रहा डु कता ला हो लमस लुरसे :
उहा रो कं न दिलों डु कै देवअ णन
प लाक दे मुझे लु पु दा या डरीम .
न देखा था ऐसा डो छि डुसरट ;
कमा सा हो दिलों अपस डु डरा.
नला डुलर की मोह डो ला हो लडी ;
मीडल अहोल अदपी योह अडोलडी
थालन ओह सर जुरंट डुद लुं पहाड
लजें अमडु डां टे अपें थीं अंगार.

वो ह् धा सर पे ओ कु सिंग उसकु जड़ा
फिरे सब जमी की कुाउसमें हड़ा.
वले सिंग दकीतल ढ दक् पाड़ जून
जदन पर थी उसकु लुं ज कुरी डोउन
वो थे डोल जंद पीा कु लखा या पे ला;
जोड़ दज दथे सा पे रो ह से मिला;
मिला आ गां दा वल से कै पा द रो ाद्
मिला रो ह से आ कुर कु रो स दिल में पाक
गं दा वल ने रो ह डो दे पाल रे न ढ़ र;
लगा लि ह ने भर ह आ सर अ सर;
कि स द आ रे रीं को सु रे द दे व डो;
न दे पा या मैं ने कि से और को:
कि अ वँ ल लो ह म उसे कु रले सु पन
व ले ओ ल ह कुी.ड़ कै वो ह म न ह र न
दि लो हं से कि स पर वो ह कै सु ज लला
सली दे व उन्हे ति मे त ज सु ला

यही आलम है के करनाले से लगा मैं.
जुजं द लरज़ पस से ले उसको जिहूं में
मंगा कर लआम और गैरों के गुलाज
दिणार ओ तड़ा पड़े मंगा जे किसाज
हो है रण वेठ ज जै है पिकर कु आज
लगा करने मैं ह़ सैस यालो ह याज.
के रेमा ओ मल लज जै है लनेमन
जल लाणीं दिल्से वो ही माह़ मन
कहा सजं हुक़ि कु़ल है मैं हु उल्हुलें.
कहास जहै मो मान वो लुम पर पड़ीं.
जिछड करणा है मुझसे आनु हसन;
लडप ला कुं उसा जिन मैं हरया लो दीन.
लुदा छिने उसकी किया कुं परा ज;
मुझे दर्दणाम ने दिया है अलज.
नहीं मैं न दिलको मैं हुं जे करार;
कुयां ह दिलजें मेरे जे गुमार

गया मैं तो ईरान तमेरा ऊठ सली
कि दुरी वार ज नामेरा तो मसली.
यह कहता था ये ला अफ़ोल नरलर
कलि है पे अरधीयां जणीं नितहलर
मुदा जी न मैं रा डो ई माहर नहीं ;
यह भी न मेरे किरपेल फेर नहीं.
मैं आया हूं उमीदवार तेरे पास.
यह मतलब के दिलको करो मेरा यास
करो तुम तवक्कल मेरे दस्तंगीर ;
मुझे हुसन आरा मिलाओ अमीर
यह सुन देव बोला के ऐ मेहमन
रखो हम प़ खातिर न बोलो सुखन
तरद्दुद करूंगा मैं दिल जान से ;
जल कार लाऊंगा ईमान से.
ंदाव जनेदे वांलिऐ तअपुकार ;
अगर लोगी लाजी से लकर दयार.

तहां हाथे अनुकूल नसीहते री;
अताओ मेरी तुम करो दिल जरी.
भले है वरैअत हैं ले डरस ली.
भले पुंड तेडा वे फरं लम्ले ली.
ले पै हद कुसौं गिरद ब्यांरोंमिनार:
जुसं दीमें ऊंमें अहोल ओगुमार.
ऊनोंमें से अेक देवल करे ठा.;
मिनारे के ऊपर वो हम्से ठकुरे अडा.
न ठ रसौं लर रे डो वो हम्म पनी डिया.
स अ ठरी हडा वो हम्म सर पालिया.
व से ढीन न नया ऊसको कुछ अमलि
स अ ठरी हर का दिल्में ऊसके ऊरार
सती हैव फिर आये जे लर हो ;
गांदा वलसे ओ.से हैं सायार हो .
के हर मुल्कुचुंडा हमें आर आर ;
नया याने हर डा कदीं कुछ गुमार -

यही बात सुन रोह को लगर लगर ;
लगा आपे से रोने को फिर वो करार :
उसी वक्त वो देव लगा बोलने.
अरे मर्द के ढंग प्यारे से बोलने ;
कि देखा है तुझ से मैं आदमी का न ;
अरे शाहजादे ये बात जे गुमान.
ने हसन और दिवाने से असफ्तवार.
यही थी ज्यों का ये बंगाल का जे गुमार.
ये सुन बात ऐसी हुवा बोलिया
शाहबाज से जो बात की जो खेल लिया
बुढा देव उसको बुला आपने पास ;
कहा कुल पूछे मैं कर की कर दियास.
शाहबाज ने पूछा उसे तब बुला ;
उसर तेरी क्या है तुझे जो बला.
कहा देव है वो शाहबाज के लैं ;
कि सब नर रहे सो तुम्हारे है मुझे को पडे.

किया सैर मैंने के कर हारडो ;
सुले मांडे देखा मैं सन साफडो.
ले पुछो मुझे मैं डीं सन ज जयां ;
जड़ो लखों लें मुझ पर कें लकर जयां
खां दा व जलने पुछा मैं करं डीज़ जर ;
कहा उसने मैं सामै थाला णु कर :
कुथा डेहुं उसकु मैं मैं कथा लहो ;
लखा मैं कुं देखा मैं और कालडा.
थले डीन सुना हुं न मैं उसको नाम;
देखा मैं लारे से उसे कों लखाम.
थले आठ गायायामैं डरने डो बैर;
जठ जरी करे देखा मैं जो सा नगौर:
सज ठ डार खा नाथा सज जुध वहां:
देखा हुर से हुं मैं थो कलाग कर :
पकी बात सुन री क उठा ओलडु.
कि मुझ डो के लना उसीः लखे पर.

ललजुरे से मुझ ऊपर कोयो दोव का;
कैलकट्टे के वो कुड़ास्ती काम डा.
ठांदा व ललके ऊंसको के और साक हा;
वहां गाकटा के दिलों मुद्द आ.
लेल आ. रिसांलाम्रिसे ऊस ठाट पर
डेलाको येराकलडा उसको असर
लम्बी कुछी केरा खुलेनालवडी;
परीयां और रेओं के खुल लालडी.
अकेलउ. हरआको सेंदक डीसे
अयारि लुले ओसको सो उके डरउसे.
सांदा व जदियाआलसर से निकाल
कहा कुजलो नेमा पेड कालका ल;
रखो आगपर येक लोमें उस घड़ी;
संददआ उईगा तुम्हारी ये ही.
संगा लपेस से कडोरवाला किया;
कहीदेव कमराक उसको दिया.

[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

सुधाठ केराकसे वोक आनुकसन
गछिकाधिमसी वोक आपेनेवलन.
किया दैहमां आपेने सुद को ;
जै ही लऊ दहणानी से यी काये यो.
एक्रियासलसे ठीम लौ कुं ठं लऊरकर
लअछेन वरी यांडो कियाडीसडीपेर
डीसी कालमें मोक डीज सयादफी.
अणैरमोक कयाली सो अरआदफी.
लउपली थी विम आठ वोकमनमोकन
कुयालंगाह मानायाडीसपेर कठन.
यकी लऊ कर करलीफी दिसें मुहाम ;
के कै मेरे अकेरामसो कनेकनाम :
सि आमुक डोठ की सो पेरवादिमाप
मे सन्नारणा मोर मे किरहणार :
मि लायानुयुसरे लऊ वनयसु कुअडो
कियारंछ से आल दस युअडो

नि जा या लु जे जी डो म ठ नु से हीर.
म गा लि ज दिया ऊ डो ऊ डु जा ली लू
ज दि म ज से स प रे ज कि या पार लु.
नि जा या कै जा डो जु जा मा से लु.
ज कें न जी स र वरे म म जी या.
ली म स का ज म क जा जी री क म सी या
नि जा नु ऊ डो ज के रा म से डर ड र म;
क मा रा रे ठ ज से स दार जि रा र म.
रा ओ रो ठ ऊ म डा य की डा म पा;
स दा दि ज ठ जां पेर वा क जे क रा मे पा
मु जो जा ल जके रा म डी डा न पेर;
के प को या कै वो क रा क ठ ज या क पेर
पेरी पां डुहि सो म्ना यां क ला मा क ला र;
पा नी ला र के ल ली पां कि ला रा डि ला र
पु ढा जे डु पेरी डो वा क जे क रा मे रा क
पा नी ला र जे ल ले डु कां डो पेक पाठ

अयां उसको सुनीयो ले के ला कुं मैं .
कुश उस कड़ी कुल से या किरे लुन्कें .
पती कसन न जानु का जोलुं किसा ;
अयां उसको ऐसा सुना उं किसा .
जनी के उससे जु पे छेन सा न डी ;
के कै या द ल स्को उसी ह या न डी .
ले ल लीयां कमें आज न क ला ने उसे
धुवें कैं कमें पा क करते उसे .
सुना री क ने ऐसी ले उसें म अर .
कुला क सुलेमां किस र पर वो क धर .
एजिया का पला ठी के रा पके न कर ;
मिला सौर करला वो क अं न्दर री कर
देआरी कर सा रा म कांनो म ठां न
केला पा उं आनू कसन का निरान
किया दोर दो री अ न पाया व कां ;
लपाया परी ठा पता ली कडां .

तकयुर हुवा दिल में अपने कि शाह
के दो दीन तलक कुरता रेकता निगाह
वो कहीं मोठ मिसयम के छी ठकुरपे जा
परी यों डा देखा वहां के गौशा जड़ा
वो कन ठ दि हुआ था के हज उसके दो
पड़ी हैं कलसां पनी का पेल दे ड :
ऐ मारल पुलं ह कै अ कोल दिल हुस
गुरसैं तपत के वहां पर थि छा.
पै ठालल तपअरपेर वो कशाहे परी ;
पड़ीयां कि परीयां के वहां दूसरी.
देखा था र वो कल तज हुवा दिल में दंग
हुवा कुछन जे कराम दकशालगे दंग
किया कुछ नरी कडा वा कदिल में प्रियप
किसी ने न देखा कै शो क फा ठ मा ल.
नठिदे जमह दमलटी ठा शोक वही ;
छोडा सलको भा पा में नहरल व की

सैला कुसह करके मैं फ़ज का वो कि गाह
गया सो कहली पिछे सु का करनि गाह
देखा हर पे हर आन मैं आसमान;
ख़ुदा देख के फ़ाम का कैसा हाल:
व फ़ां मे के मंके जथा ले मुसल्मान में
ख़ुदा देख हंगा को के गारदान में;
मुरसे का पालतू उसका किछा.
परी मे के जैसे ही थी वहां मूरा लिका.
सिर के उसकी आजु फ़रज़न्द के मिसाल
ख़ुदा ने उसे पैदा किया कुछ जमाल.
सरी यां मिल सखियां के ख़ल यां ख़ल
जनी आरगाह मूज सुरी नौ जहार
व क़री गाह मां कर जै हाथ न के पास;
किया अपने मन में के गाह ने के पास
कहा अपनी औरत को सम का मेकर
उसी को कहो के पुसन ज कर.

ऐसा तु हुस्न दिया हुवा है तुझे ;
यह हुस्न दिया ये ख़ुदा ने पैदा है तुझे .
अंधा है तेरा जो वहि नसान से ;
अगर जी तु करती कायें न नसे .
किया आप है सवा तु और आप को ;
किया तुने अदब आप और आप को .
दिल न लत मुझे दी है आलम अंदर
किया मुझ को अदनाम दर अहर अर
अडारं छ मुझ को हुवा है अत्ली
दिल न ल लत हम को थी ऐसी कत्ली
तु रत न थि सी आल को छोड दे ;
त्ली मुं हम पना थि स आल से मोड दे .
ये ख़ मुन आल आ नु हुस्न की लेम
की आल ह लदी से दा थि जुला .
क ही न कु सम का ओ जेगी की से ;
ह आ नी क हो आप की तुम की से .

मेजी दाढ़ी ख़म-ओ-ज़े वक़ारे डीमेरा
ये जा साथ अर्के साम कसराक़ फ़ीसेरा
नहीं दाढ़ी आनु कसनाडे के पास ;
ये जा साथ अर्के साम रपदिलों मेरा
परीयां पीसवकुस वकांपर कलार ;
कुरल दरपेउसके पे कहै उतनुपार .
किमेलके दाढ़ीने दरसको पा ;
नहीं पास आनु कसनमाक् लिका .
कहीं लकहां लो उससे राक़ पिए ;
नसीकल कही के उससे राक़ का .
यो पैही तप्त पर पीलूस लरसे पर
हवा कीरलपे मैं उसी लग.पर .
उपर तप्त नसनर लिकी मूलपी
हवा कीरसे कहै लाल के मोरली .
मैं ही उसमें आनु कसन रोक़ पली ;
पती पों के सितारों में लगुमुरसली .

जनाअसे पै हं लोग असअमह लिखा;
किया लोंकुं पेदस्स और पाणा ला.
किया लोकों हं लोग नाकद़ उसे ;
त्नौ कुछ दरदहि में कुं वानहीं किसे
उसी काल में ध्यान अक़ राम का.
रन्ना पाम ले अपनी छाती लगा
बयां माक़ दाहिं कुं कमराह व कहें ;
नक़ल में वोह दाम न कुवा जेणु में
लेपल पैर वोह जौ हीरी भानु कम्नू
लाके हं लोगों में उसका अदल.
उसे दे पनम राकिया आक़ का ;
लिया नाम उसे बहुत असौक़ का
कहा दाढ़ि ने अवलु कुरा यार को ;
कहि कुल कहीं सब वोह साथार को
ह यानी कही उसकुमां आपे की ;
नसी कुल कही उसको जो कराम की.

के जिसने जगाया है अपना तुमने
के सब सा लेगा हाल है मुझ ठन.
यही आलम आलम में मशहूर है ;
वो हाथी थीं तंसान से दूर है .
दिया जिसको जानुने अैसा हवा ज
जे दिया उसको अैसा मुझे तुम सा ज.
तुम्हारे तो दिलमें जगी आके आल
वो हार थीं हंसा जमीर नहीं है तत
सुनो आलमेरी तो तुमसे कहुं ;
समझ गोर से तु तोमें तुझ उहुं .
वो हार परीयों में उहे होल है ;
अयज जे वो हिमें ही जीसें है .
कहिं उ तमें अपनी कहुं आपसे ;
निसी छोड जिन्हों मैं मां आपसे .
कुछ जे वो हुमैं अवस उहुं ;
गारमसे मैं अपने हुंजीअजरहुं .

किया उसने मुझपर मैंने कुछ न कहा न;
रखा था मुझे वो सदा मोहब्बत में.
किया हमने उसके सदा नाम पर;
करेंगे न हम आज में यों मो सहर;
थे हम दिल जान में ये अब के जान अब के;
उस ने मुझको मैं धीरज देने.
किये गये न करनी में उस पर ध्यान.
रखें याद में उसके प्यार जान से.
छके जाते में बकते थे दाम उसको यूं,
सब जान करके अपना वहां देखी से तू,
जगह प्यार को जाने उस लगे पर.
मुला उसको ती वहां पर भगर.
जगह प्यार को मिल तु के आव के;
वहां पर को प्यारा तु मैं जान के.
जगह तुम ले प्यार वो उसी ठौर पर;
किये तुम्ही किये में दे कर सार.

उसी की कहै छि मनो ठ. मुझ को प्युरी,
मो क़ अल उसी की आदि में असी.
ये क़ सुन घछि लरी में ओ लुं संणात;
लुना क़ ड के डरंली नाहा नों की आल.
जि डरमा क़ यक़ां डीन डो छि यक़ां पेंस्अय
यरी जुनऔर. दव डो छि गक़ पोय
सुना नछि किसी नं छेसी न डा नाम.
लक़ल दव रे यांन में क़यणी मदाम.
न कु दरल क़ै छि नसा न. कं आं वय क़ां
स अर यक़ां की यकुं मे उसी. को कु क़ां,
ये क़ सुन आल मो क़ली कु वादि में लण
डियालन कुर आं उने क़ो के दण.
नसी क़ल की दाछे नें मंधा उसे;
व सं डीन कु वा न छे अ सर कुछ उसे
क़ो ना म्यार उ ठ डर व क़ां से स्ली;
डिमे अन्द दरसज परी न व जी.

भी ठाकै अजलसे आह अहरामे सीराह
पढ़ी सेउ फ़ा ठल्हे के मैंने उफ्याह .
उस्से लनमन मैं चहा धारनन ;
मैंने कहजूज दिलधारण न प्यारेमन
सुनी ठअपे फ़आयाह आनुकसन .
लगी उसके दिलमें अफ़ोल ललनजन
न दे भी किसी को भीसी ल.मे उने ;
लड़ युर कुछै आप वोफ़नन मने :
उा ही जोल अमैसा मै परपर दिगार
ये फ़आयाह. किसको है सोरीं जफ़ार
सेह जपीरि ळम्ने मुझे है लला ;
सुनी कुयामैं आयाह को जरमला .
नहीं कोछ मुडाजिस वले किन यहां
ये फ़आयाह आता है मुझको उहां .
दिया उसम फ़उरी है आनुकसन ;
जहां होउ तेरामैं दे फूं मेमन ॥

देखूं आंख जल रहा हूं मैं तुझे कोई हूर
जल रहा वे दिलसे हो रहा सुरूर.
यही जाल सुनकर वो हूर जो के रामसीख
बोला राहै सरसे वो हूर बदी हुआ :
बजद होठ दोनो मिलाओ गले ;
कहीं आन हैसी बयारां मिले :
देखा लजबने आ तुहसन आंख लर
जरी झेरको हासिल हुवे ज्यादहतर
सुकर लज ज बलाओ रखूं पे हदो
के आपस में आपी भी ले हूं वे दो:
लगी कहने अैसा के अै कारसाज ;
करमसे तुहमको दिया सरफेराज.
खिला आज गुन्चे मेरे जाण का
तुमन हम दिया आज दिल दाण का ;
सेरी मे हूर आनी की कुछ कहदन थे
करम की तेरे है कमी कुछ नहीं

ढ़कां पेर करम के लेखा कै जे शुमार ;
तु जेरा कु आ जमडा पर वर दिणार .
न था है तु आलम को जे कुपेलम ने ;
कै मुशाकिल कुशास जा मुशाकील मैं
डमी हों तु जर जावे करयार सु ;
सि रतडया डरे तेरी सखार तु .
तेरी सिरत जंन्दर कै डासर ढेआं
सना तेरी मुक्से कौसकुली डकां .
मेरा ७ व कुदरत पे कुरआन कै ;
तुसा के जजडा और मेकर जान कै .
कुजेमाद दोनों दिलो लन नसे ;
थाक् भिलडर डे जै ठ जडे शान से :
दरा काल दिरमाक् जके रामणोर
पिया लके डया अपनी आलिर में और
असा जे सु लेमान जे हाथ में ;
क. थां डों पे मारे पु ले आल में .

वो हमारा है जो रोंपे के रफुलगाये.
गले जग के आपस में वे मिलगाये.
लगी कहने जानु हस न जा है जान
हकीकत कहो तुम मुझे ऐस हमां.
आये क्युं तौ यहां पर कहो कैसे तोर
नहीं तुमसे ऐसी कोई पावे ओर;
न ऐसा सुना है कोई ऐसा नाम;
कहनराह जांकी यहां की तमाम.
येह सुनकर दिया उसको रोहने जवाब
किसा सुन मुरीरें जनु मुझसे किताब
अयां वार जोलूं मैं अहवाल दा.
जो गुजरी है मुझपेर तु सुन माजरा.
मैं पहुंचा जबके लेरसे तेरे पास;
हुई मेरे दिलकी मुराद येह आस.
दोनो हाथ डाली है गरदन लिपटकर;
हमापल किया रोहने उसको लीहीर.

जब उठे जब के रात्मरी ह नामदार
अस्सा ठेके बोले हैं वे सब जड़ वाड .
के परीयां पीं के दी उसी लजे पर ;
लह पुर दुयां है उसे देख कर .
परीयां देखने को सो अंदर गयां ;
दुखी फिर न अंदर वे परीयां रहियां .
लअ़ लुब को परीयां देखीं करहतन
को पुरी काल जैसी है आनुकसन न
उन्हों में से गई अके हाथे पास ;
न ही उठ उड़ी कुछ जे क वास :
क काल के हाथे को है पूं उन्हीं ;
सना गाम जब जब देखो पेल लुन्हीं
ठ जरां ले आनुकसन के सल्ली ;
पोड़ लूर जे आर है वे अली ;
को फूर काल जैसी है वोह गौह परी .
वोह आले है करती सो जब हरि जरी .

य ले ठो घे न ला ह र घे सी ल मे पर ।
ल म्ह लु ज में ह म सं ज हैं घे स जा ल्पे
ल ला कै ड ह ल्ही से है प्रो लु म्ही ;
ड रो ह न्डो म्ना णा ह् म ज पे ल लु म्ही ।
पे ह् सु न हो डी हा घे ह ल ह म्ना न ड र ;
ल णी है प्म ने पो ल र र ल र न ह र ।
पे डे है मे हं ला र जे डि यां लू ही ;
हो प्नु गी हा ल जै ही कै ये हू ना ह् लि प्र
न ह र डो घे पे डा न घें गी सी कुं य हां ।
ल ह पु रं से जो ली डे मै ल न मां ।
लु डि स सें ये ह् जा लें कै ड र ली म ली
लु पे ह् मां ह रा ल मु के ड ह् स ली ।
ड हां ल ल पुं जा नु न ड्या ड्ढुं नुके ;
रा र म म ज कै जा ली मे हा घे मुके ।
तु सु न मे र हा घे डें ले सु प्न न ;
डे ला म सं गा ने रा ज णा कै ये ह् म न ।

वोह आया है उस तन के ऊपर यहां ;
जो की उसको मैं देखता हूं है कहां .
कहो तु कसम आ सुलेमान की ;
परी देव उस सब के सुलतान की .
दिखाऊं वोह तुझको उसी लमे पर
कि ता तेरे दिलका परे को फिकर ;
कही दा उसे सुलआल आनुकसन ;
मुझे तज पडूं को म्मफहर लतोलन
अगर आवे उसतन वोह कैगुल पडीं
कामतमें उसकी हराति कनहीं .
जलद कीजे मैं तेरे मां आपसे ;
कहें कारसाज उसे आपसे .
यह कहकर कसम आदि उसमानकी ;
दिखो हमें से फहरत सुलेमानकी .
कि दा जो जोरी कहो तुझको उसपरी
तु करआल के उसको तसतकौनकी

कही सुनमें दिल्दारने प्यारे मन
जुल्फ़ेंर अयां कोअल्ली मन मुक़न
यही सुन्के आया वह जो केशा मरीक़
उत्तारा के ह ल्दी वो क़स्रसे कु ला क़
अयां को के बैठा उसी तख़्त पर ;
देखा ह जो हाथि ने रोक़ लर नहर.
नीरी प्या के पे डॅर हमीं पर कें ल.
क़ वास कोरी उसका के ल तार का.
पडी यां उठि परी यां देख जो कामको
छुटी पिर पेरी प्यास और आम को ;
ले जा कोरीथीं होड ला यां रीताज
ह लद्द लर उसी पर कें छिड का गुलाब
व ले उसके जिनी सी पर रख दिलर
उसे ह ल्द जिठ ला में कुरा यार कर
वले जम्म दमुदॅत प जर दार को ;
लगी कहने आनुफ़स नको सुनो

तुहि रुखो जगा है उसीसे जल ;
नहीं कोई होगा तुझ ऐसा हुवर .
अन्दर देव परीयां न छनों जरीर ;
नहीं मैं ने देखा ऐसा कोई दिदार .
उठी जो लड़ा है के ऐसी कु परी ;
जलीला के देखी मैं तुझ दिलजरी .
कही हस तब जा तु है दाढे को युं ;.
तु सुन ले सुपन तुझ को मैं अब कहुं
छले देव दिलम्ज़े के सरदार हैं ;
वहीं सब हुकम छैके अरदार हैं .
तुल आप मेरे वफाओं के ऊपर ;
जो करते थे लज़्ज़त तनी मुझ ऊपर .
के तु आदमी पर गिरेफ्तार है ;
सुना नहीं के छेलसां वफादार है .
कहुं क्या मैं उसकी सो क्या बात है ;
किया तने पे अपने देखो घात है :

ये हम आदम के हैं साथ यहां आया है ;
न ता कल किसे ले करें तुरत लू .
ये कहे इनसान फिर के मैं है या हरीफ़ा
ल ऐसों उसका लीगा कर है मैं लो लिपाह
सती छोड़ आया मेरे पास पार ;
किसी को कहें है वही हार पार .
लजरे के जे आप सुले मालका ;
परी यां और है वों के सुलतानका .
के उस पास मे वलुद किस लगे पर
रे कर को देगा तुम्हें किस लगे पर .
तुझी हल में दि किसो मां आप पास
यकी आल रेहु पाये कर उस को रास .
आ कहम न थल उन्हें समझाये कर
कमो काम मेरे काल तुम फिर कर :
ये जी- पुरी को दाढे न कहलीया के ;
ना कि करे ... ही री नी के कालते .

नहि लडे आनु के औ ही कै पास ;
डकी सच डकांनी अगाअर यरास .
वो हू के लियल से छि ल्हो सो आगा हू डय
मरालिज डकी री हू केस मर्का मेहर
डकी छि स्को आनु कस लडी कै मा :
दिवानी कुछे कै यकां जुली ल :
छैसी आत डानुक डो नछें मेजली प्य
दिया न्थे कै लुया के कै को रिा यार :
डअ आवे छैसी न मेसपे मान लु
डकां मेसी ला डल कै छै नसान डो .
लमो सा न कीं मुक डो छैस आतठा ;
कै राायर असर लुक सानि पाल डा .
ये कू सुन आत दाछे डकी कै रिला अ
के आनु कस लडे कै मा से न वा अ .
के पल दे अआवं लुजे ली प डीं ;
डेमा जुर छैसें नकीं कै के कीं .

यली घाटी लेमां को आनु कमन ;
लेआ ही वो क़ कमरा क़ है गुलजदन
लवा ले किया मां को आनु कसन ;
धै ठ ल लफ़्ज़ पर हैं तीनों येह़लन .
पडालन हैं नहर को हीअैसा वहां ;
पुछी ऊसको घाटी वही है उहां .
उहां है वोह़ ही न्सां अस ली मुझसे जो
मुरसील ह कि कि ह तमलीमुझ से जोल
उही है वोह़ घाटी को युं गी ह़ परी ;
अ ला मुझको है वोह़ उहां अरलरी .
उरामालल जडी है हर आलसे ;
ले पिन्हा रहे है किसी घालरसे .
उही हिर है घाटी परीयों को ली युं ;
अै आनु कसन में लुझे युं ठहु :
लु उर अपने मुल्लां को ठ ल्हीअयां
के ला मां की तेरी होष्याल सिरनिशान

कहा फिर के आनु हसन दाढ़े को ;
के सब आल को कोल ले सिसँ तु .
कहा दाढ़े ने कोल मैं ने लिया ;
लेरि मां की आलिम निंगां न मैं दिया
की त अपरीशाह अकेराम को ;
की फिर उने शमसणु लम्नदाम को .
को हलदल्के र म्नपस कोम्स यां ;
के ला को वे मार की आलिम निदोल
ये हम्म वांट सुन कर के अकेराम गोर
कु लाह सु लेमां उ लामा अलेर :
म्न यां होके बैठा है हल्दी हुलूर ;
गीरी मीह परी देख उस्ता ह हुर :
अहा लदेर अम्म रह वाह हुसी यार को
कही आपनी बेटी को नाचार के .
है आनु हसन हकु अलनिबलेर ;
तामें होशि देखे अलने मेरे :

यसरे दिस्तुी मुं कसेल कोली अयो ;
अयां थिस्तुी म्रृ अी कोस कली कको .
लणी पुछ नेगे क सेआ नेडी आल ;
डिसी लौर पड्डं या लु डिसडे संणाल
डी ठगेगाक अकेशानपुं ओलकर ;
ले आया ऐ दा मुक डो थेस लमेपर
कहि कलले गुठरी थी अठ थि अलहा
कहा ओलआणे डिसे माठ्या :
परी बेलल तुं रे किया अे रीुमार ;
डिपरगेगाक अकेरा मठे लाम दार :
परी नेठ का सिराके अेटी के लधें ;
लरी कारगेगादी डी करली कुं में .
ये जी आालु ह ल्दी से अपे नेम काम
करो लके वाली ह ठो अपे ले म लामं
गाढे दोनो मिल कर के अ न्दर म केल
करी गाठ सअे के वो क्री क के अगल

यह अहवाल सुन शाह हैरां हुवा .
तह पुरसे उसने स्त्री को मुंह में लिया .
कहा फिर वोह औरत को अपनी है पूं
पडी अहवाल मुरादी जब तुझे मैं कहुं .
दिया हसन अनुके मांने ह या अ ;
दिया शाह खुशी से अैसा अ ला अ .
सि ला जीसे उसकुं कहो तुम फिर कर
तु उर दिलसे अपने परे सज हुकर .
वगार नहीं तो मुरादी जअैसी आल है
आगे सरपें तेरे अडी घाल है .
दिगार आल कही ती हुं सुन कानपर
लगा हुव गिरसुजा असी के ऊपर :
कही अपनी औरत को उसने यह अहल
करें अे कुमन सुआ तेरे संगात .
वले उसको मैंने किया अजपिसर ;
करें कारसा हु यह हम अेक दिगार .

जेरा कै मेरा तेरी जेरी तु कर ;
करें खिल्कु शादी कम्के जेमलर .
सुनी आशे आनु कसनडी पेक आत
खुशी से मिली दिलमें है नेकलत .
उसी वक़्त शेर कडा वो कसरपूमडर
लिया कर उसी को वो अपना पिसर
पिछे शाक ह नियां मके लसे निकल
येला आकर आया वो शादी जदल
मिले आके घेर डान सजशाक को ;
मुबारक कहा सबने उस शाक को
येरी यों सी कनी लं अहजरेपडीं ;
सली आके खिदमतमें हाहरघडी .
हवा हीर हरीने से सिनगार कर ;
सरापासे अपने बेहरवार कर .
गुलामां कहे खूब साके जह माल ;
उडावें सली शाक पर वे रुमाल .

नं. ७

पेडाअेकॄदृशीॅ कॄडापेरीकेसंभाल.
आंरे सारी पिलकुलमें राॅडरनआल,
डीलॅके नेडअॅपअतमें छुच्या दीसे,
मुकाणानसलोंडाकैॅ कॄच्यादिजे.
मुआरकुससलामलकॄे फरमुपुडार ;
अडाकारठणामें कुवाअरीडार :
पेलावीडाकॄ अअरीस अवहरमकॄेल.
कुअेराद्दपुरमसलोंकेलेदिल :
जडीछियेकु डीथी अणगनहरमियान.
कुवारीॅकु डामिलडशेकुया ज याॅ
सुनाअेर रावेसकुअेकुजात ;
केपाढीस नवाकॄीमेंअेकुदेवलल.
केठ जलजलपा लाम छीसदेवडा ;
डीसेराकॄर कुलठलडाया ठपा.
जकोलरीपा वॄकॄ तुरसहली नमकॄेकॄे
पकॄारजपेपा लराडरलीदेवांलमाम

न था कोई मुदाखिलत किसी के यहां

था सरलेर रहता न वोह आरेल दमां

मामारल में सनकुसें वोह भरा हुआ था ;

अहोतल जल गिरफ़ताम हुरथा .

सुनी फ़ जरशाही की अहराम की ;

सुजह कोअपेस मुअपे हुशा नाम दी .

लगा कहेने सज हमा निरीनों के लें

जी लरै मुसाफ़िर जमानियों के लें .

कुआ सज ढहां में पेह मेरा ले नाम

कुवामें हु रैस वां अन्दरैम साम :

देओ मेरी निस अल कियाड़ोन है ;

डरें दैसो आला पीसे लेन है :

भिने आल किपी मेरे से जदल ;

वोह जानु हस न की मेरे से अवल

ज़ अर हुभि जी नयों डो के मिस तौर है ;

के जड नेडो . यहां आला वोह जंगुर है :

फिर उसने हो उदास का दिल अंदर;
के लद और उधार बेटी को बेशुमार;
के रोगों में रास जम जु के पांव में आज;
न लनों को वेगा मेरा क्या अकवाल.
फिर उसने हो उसके रोके उजाल;
जे उगाम से जै दार का ऊस मउान.
कमेरी के मुख को ऊठ दुवो ने कुनाम
कुआला पारी के जो वो कुरने सलाम
के अजुरो उ जैसा वो कलरी के पास
देआरी कनबामगी नके कैसे कवास
पुछारी कने क्या कि रिउरने कलल;
न लम छन डी और न कीं उरलेआल
तुम्हें क्या फिर कैसो लाकिर करो;
मुझे अपने लेवों से माफ़ कर करो:
मुझे नमुं कसे अपने नलके रडिया
न कुछ हाल अपने से माफ़ कर दिया.

हे आशीक़ को ऐ हाकैणम लाउ हो ;
ये जानी क़ ज कैशम जे आउ हो :
आ पारीशाक़ अरकम को अपने नकैल
उ का कसन आनु को ऐल लो दिल .
मुझे अजनरक लाकैं डेस लमे पर ;
मैं ल पींगा अपने वलन पादिणार .
सुनी बात आनु कसन रीशाक़ से ;
पडी ल दि उरके वोकी शाक़ में .
जणीरी क़से उकने उको उयाकै जात
सुनाओ मुझे पिसिल मुझे नेउ लत :
सजज कुयाले लंग दिल कुझे आलूं
उहो बात सारी मुझे जे वकम :
उकारीक़ने मैं आतणपारी क़े पास
सुअन कुछ न आले वो क़ पे अक़ वास
कमेशा त वा ले से आले पे पेरा ;
अलीनाम कुमे वे मि जाके कमेरा .

ਨ ਲਬ਼ ਜਮਤੀ ਔਰ ਨ ਦੀ ਦਿਲਬਰੀ ;
ਨ ਕੁਛ ਮੁਝ ਸੇ ਬੋਲਾ ਹੈ ਵੋਹ ਸਰਸਰੀ
ਮੇਰਾ ਇਸ ਲਿਏ ਦਿਲ ਹੁਆ ਹੈ ਉਦਾਸ
ਮੈਂ ਲਖਿੰ ਚਲ਼ਨ ਤਾ ਯੇਹ ਹੈ ਦਿਲ ਕੀ ਆਸ ;
ਯਹੀ ਆਲ ਸੁਨਤਰ ਵੋਹ ਆ ਨੁਫ਼ਸਨ ;
ਤਹੀ ਠਹਲ ਕਰ ਪਹਰ ਤਾ ਸੁਮਨ :
ਕਿਯਾ ਗੌਰ ਤਹੀਂ ਸੇ ਨ ਆਪੇ ਪਰ ;
ਕਿਯਾ ਤੁੰਪੁਰੇਜ ਦਹ ਨੁਸੀਹਤੋ ਪੰਦਰ :
ਮੇਰੇ ਵਾਸਤੇ ਵੋਹ ਹੈ ਗੋ ਦਿਲ ਉਠਾ ;
ਕਿਯਾ ਮੁਝ ਪੈ ਆਕਰ ਕੇ ਵੋਹ ਲੰ ਕਿਹਾ
ਮੁਸਿਬਤ ਉਠਾ ਕਰਕੇ ਪਹੁੰਚਾ ਯਹਾਂ ;
ਵੋਹ ਆਯਾ ਹੈ ਦੇਖੋ ਕਹਾਂ ਸੇ ਕਹਾਂ .
ਮੇਰਾ ਜਵਲਨ ਔਰ ਇਮਾਨ ਹੈ ;
ਦਿਯਾ ਉਸਨੇ ਮੇਰਾ ਹੀ ਜਵਲਨ ਹੈ .
ਹਕ਼ੀਕ਼ਤ ਮੇਰੀ ਸਬ ਹੈ ਜ਼ਾਹਰ ਉਸਕੇਂ ;
ਸਬਬ ਉਸਕੀ ਖ਼ਾਤਿਰ ਕਰੋ ਨਹਿੰ ਉਸਕੇਂ .

यही आल सुनकर वोह आमोरी को ;
रहा आपे अन्दर है मामोरी को .
उठा नहीं होश आल को वे निदा .
हसी आल सुनते हुवा रोग मिन्दा .
हे पी आपे गुमणी न हवरी वोह परी ;
लगी उसको देने वहां हिलजरी .
उठा आपने सुनके आनुकसन ;
लिये लेर मुझ पर पडा दुख उकन :
वोह अदब अप्स हल लल लगा है ;
गुस्सा हो के मुझ पर आता आव है .
न ल नुं तो कैसी करेगा द ल ल ;
करेगा वोह अब रसी मुल कु पाओ माल
यही आल सुनकर वोह आनुकसन .
पली फिर के रोह को उठी वोह सुजन
उठी मा ह मा मस अ वो अह उजलिदा
दिया उसको रोहने है ऐसी निदा .

ऐसी वासले आपे लेगा मठार ;
अडेणमें ऐठा वोह कै सार असर
ऊ ठारीा हे अकेराम पेह सुनके आल
उकाीोह पेरी. कों डे कंपुंगन डी आत
अ अ सणम पेह सरपेर लुडपुं कै लिया
रिडमं ठ्हअपेसों कै णमणीं डिया.
पेह उया डाम दिलें डोलुम पडीं ;
डीं पाअेमाल ऊसरीहर उ नअलमें
वाह वाडि मेरे ह्रो वे लरीा डर डों आत
वणारने ता अं ठ्हडर रपुं लाि लाठ.
रपो ठमम पालिर डोमल रिडर
संरठलम ऐरुा डीं सर असर ;
कुडम लुम डोअअ हे गा रोोडे लें ;
लेठले पैरीपाला अछानों डे लें :
डोोल्ह डे डे अडी दोर में ;
रहों लुम ऐसी आल डे णोरमें :

यकीं आलमफुन बीबाद्दूलनीं डका ;

अपन डोअपस अमें रहे नाल ला.

डका जै ठभुजडोन हीं येह डअूल ;

मदद है तुम्हारी गुदा लायजूल .

डका देर जअ़दम ह़ है अहेराम्नीबाद

मदद करुमें नांणां तुम्हीं आम आह

अहोलरोह़से पैरोआनाये ला ;

गेदनशाह ने आदररवाना किया .

किया आके ले देरे अहार ;

अणदेअमें दान वकां देरे उतार .

वकीं नेउमाअ़तमें देरे पडे ;

किअेल हेरा़रोंने लंजू अ.डे ;

डुपमरोह़ अहेराम लेबाह डो ;

डुवादेरे हाखिल अडे दाअसूं .

डुवारोरस्यारे है संसार पेर ;

वोह़श वणाडुवा है लूपारडाउीयां

उसी वक़ुल पर रोह़ अफ़ेराम गोर
अके ला पेला साथे ले रोह़ और :
लजआ जपर लके ऊतरे वहां ;
ऊतर कर अस्पसे कुवां वोह़रवां :
वहां लके ऊसने गुसल कै किया ;
जलं याद हक़ की वहीं वोह़ किया ·
छिये आल दे वांनें वोह़ रोह़ डों ;
लिये आल वोह़ ऊन अहोयाह़ सूं
पढारीह़ हाल का वहां पर सुनो ;
हरह लिह कहरल सुलेमान को ·
परेआणा पर बेमो कर मेहार ;
ऊडे आमे ह वां हल गां हलर :
किये आके अफ़ेराम डो कैं सलाम ;
कहा कै वोह़ अफ़ेराम अले कुँ सलाम
कहा हवले कपुं किये पाह तुम ;
जअर सुळे तुम पास पलआमे हम :

कहा मैं ने हम पेर वह लुत्फ़ कै कठन ;
मदद तुम हमारी करो ऐ सुखन .
पडी आ के मुझ पर बहोत सख़्त जाल
कहे देव गो यां को सब अहवाल :
कहे हैं वे देवां तलबशाह को ;
सो अब दिल के हैं उसी माह को .
कि ये क्या काम क्या है करो मत फिकर ;
किसी काम में होशा तु करणी छन कर
करें तो यही काम हम पलम ने ;
पकड़ ला के दें उसे तुझ कने :
ये अर उसको होणी न किस आलकी
हमारी तुम्हारी मुलाकात की .
अगर होवे अर उसको किस आलकी
खुशामद करे आ के तुझ लत की :
सुना शाह कुल लाल ऐसा वहां ;
के आ ता शाह परी यां है लडने यहां

फ़जर सुन कंसा घड़ घड़ा कर पिलीद
किया तब उनीनें अेक दिन कहा कि
यो वहू उन्हीं से बोला कि लेरा कर डोयं
सलाहीये कर विरान करो ये उमें लूं .
येह के कर किया कुये उन्हीं संगात
कहीं किहूयरी डो कोठि आके जात ;
के कुल बल आता कि तेरे ऊपर ;
वोह आता कि जरा कर जड़ा लुक ऊपर
फ़जर दार कालु मे फ़जर दार को .
लड़ाई के सामां से तैयार को :
सुनी बात जकेराम ने कैसली ;
फ़जर दयआरदार से येह कही .
के आता कि जद जफ़र मुर लद यकां
डरो दिर डर लुम ली ऊ ठठिस उमां .
कंसा दयकी यान सुन्दर येह जात ;
कहा कुछ दिर डर न तुने उ बत .

कि मे मोरचे अब्र करठार ठार ;
सरंठलम ठंगका वे करकर लयार .
पे अरल कियारीा कृ अकेरामगोर
कियाल जणंदाय लके लगोकरने लेर
दाका ने आलुणंदढ कुीमुनहोठपी
मुहेद देव कीली उसीसाचे पी :
ताके पेपडो पी होठ मुरजाजड़ी ;
जंचे मोरचे हैं वक़ां करलतडी .
केरहा का दमामा घी ठाठाड ठर ;
जमें होठ लेकर पडाउस उपेर ;
है जे मोरचे करलाके लेरके ;
लगे हैं कि जमे डो वे देवदोरके .
जणी ठंग वक़ां पर है शोहलसंगाल ;
न पाई किसी ने हँसा रिडी आल .
छुटे तोपखाने बहोत बेशुमार ;
उठा गुल ज्यों घरठा उधर मारमार .

हिसावर ले जफ़ेराम के कैं धुरे .
दिरंग डीं भेलजवारें लेडरतुरे :
डियानुल्कु ठल्ललडा पाझेमाल ;
डियापकुड ऊोम्हो कै कै ही. जकाल .
यौं योगाले जफ़ेराम कैरोर दिल ;
योह् ठ जल्लल डो कै डियानुठमहल
हेल्हाझ्झासमाली कै कड़ने दिया .
वकीयोह् डो. निसरत कै गे ओ डियप
दिया कै. दिखां ने में ठल्लल डो ;
ह लासल व झण जा लठरवो दल्ल डो
ज हे गा दीया ने सुरी के तमाम :
सुरी यों के नक़ारे डिझे धुम धाम :
लियानुल्कु कुल्लत ठाछिनडर ;
अराजी ऊोस्नी पर पड़ी सर ज सर :
हेहा डरडेंजै ठा वाह़ जफ़ेराम गाह़
दियागीह़ परीयां डा वारम्पदिल्लें शाह़ .

पुरीसाथीरीहिक थैठकरमेजे कम कां ;
कमेसजेकैं रोादां नेपुरदोकलां .
लगासाथजेकरामरीहवोकतली
केमजेसोसभुजडोकैमालामली :
केळलावोरकवेपेकनमडेकराम ;
मजाधरीरारल करे वोकमुधाम .
दिडरभुजडोकोणाडिरसी जातडा ;
वोक कम जप्सभुळ करे चातका .
छिसी मौ ठेम जन्दर लेकैं दोठ वां ;
कैजाछि कै जानु कसन ना कक्रां .
रे लुग्ग कर लियाकै वोक जेकरामपास
किचारीाक जेकरामनेपुकियास :
मणारछिस्को ळलारप्रोणोलुभन ;
करेणारीरारल वोकी दिल डठन :
पडड जावछिस्तोपकांठ स्दी केसात :
लेमाजेवेठ ज्लाज गीहलसंणाल

खलाके करें उसको ना जुहद अज ;
के लवे कि उस दिलको ईमान सज.
कहा अपने लोगों को रोके हका ;
ईसे लके ळसे लोआयों कहा -
के जैरो कुये ह़मुरेसद कै कारेरो दीद
दिरा वो ठाले पर किसी के कहिद :
उसे आर हुन्या से ईसल किया ;
सल उसके करने की उसको दिया :
जलं रो ह़ पेरी को कहा जा हरोाह़
रश्मोमे हर जानी की भुजपर निशाह़
अगर हो वे ऐसल लो लवें वत़ल
पे हस अदे वलते कैं उन संगहमन
कहा रौह़ने पुर्यौमे हर जानेमन ;
किया हम्को भुरसद कै लनेमन :
किया हस्तगीरी के लुं रारत़ है ;
करमसे लुहमको किया रेरल है.

जहांलउठकरख्वाहीसेरोहनामधार
दियाखिलअततांकैउन्हेजेरोमार.
डिघासजुरीअसतसोरोहठकां;
रलसेपलेअपनेअपनेमडां .
डुअेरोहजहेरामख्वेरोां जदिज;
दियारोहपरीपानेहसनजानुजमि मदल
डिय:हहनेपुरी वोह रोह डीमुराद.
तलतुरेसेरोहली हुवारोादरोाद .
डिलरोठ वहां घर रहेरोाह हैं ;
अलं जअेरअपने मुलहयाअे हैं
हदारोाहजलीसेजनामुझे ;
अलीमुझडोरेजसल डरोठ हुं तुझे
जलंआाडहैसासरोजिरल ;
सलोंसे वोह मिलुरेपलाधिसवल
दियारोहपरी दहेठ उोरेझंगात;
रयानाडियारोह डोजरोाडरदेसाधे.

मेंगालेफसहरीनजिसपरखिदाम्रे;
रोहनरोहकोऔरहसनअानुलिहुम्
महहमांगाफड़ड़ीथीदिलोलनसे;
सेजहोनोंफिरकुरजडेमानसे :
लेकुछपीवहदरकारकिपीलिजे;
जडेमानरेंकलसेराहीकिम्रे.
सेलरोहअकेरामेनुरीफालको
राहीनुकुअपनेकोजरफालको;
पंकुसेजम्रहमुदलकेहारसनेंल;
जफोननेकसामृतमेंहाफिलकुवा
मिलाअाकेहरवंदरोहकोवहीं;
गालेसेलगायाहैदिलजन्हकेतैं.
वछरऔरअमिरोंनेसजआमेहैं
पुरीहोकेरछ़ियललीसजपामेहैं
कुम्रेरोंकसेहेप्सलअवकहछपाए
नुलाड़ाअठरकरकुमेंसजहैंराह.

कि मालूम हो के फ़सल है अकेला मीलाद

दियां मिलअम्लां सज्जो है आदमी आह

लस लौ सल्तों को धो देने लगे ;

फ़ुरी कौ कि फ़िर वहां पे रहने लगे.

मुरलिओं हुवा पे ह अनुतरे फुदा ;

नुरेल के कहरलपे ह नुरेल कुदा.

अमीं ने रखा था जिसे नाल माम ;

अलं जिस्को दवलत दिया थिलतलम

सनासे के कलार और पंजल हमें ;

जुम्मा रोज मखलमाह रा जानमें

जेसो जैल और है मे के कलार ;

अहेटले फुदा वहदहुवा आरोडार :

रेजल कडसे हम ने दिया ये ह न जम

कसद डर पे ह हमओ म जम बिल जद

पढने सुने वो ह डरे हम को याद :

हमासे डरे वो कसदा जामरोद :

जनाबे आरिफ़ की मसनवी ने किया :
रसाईल हकनसे मैं पुरा किया :
गुलामाने साहब हुमें कलिल ;
सलोंकामैं पाप्याकु हुजे दलिल .
हुआ कन्नो करी यो तुम्हें घसतां ;
के देनुक कोठ ननमें हक़ जुन तां .
छपा पाये हक़ किसां जेड सबै से ;
सही कर के का छ़ ने दिलगामे से :
जहोत करके कोमीरीमोंमाली हलूज
छपाछि के ये कप्रूंज ठर ठर किताज
छि जराकिम कालछ़ ने करमे कलिमाम
लिख्या और छपाकर किया के तमाम
किताजत से हल लीज़ छी के कया ;
सही करके ऊमको सलाके दिया ;
वो हमोंह्मद ने कालिज के मोहूलज
छपाछि गछि के ऊसें मों हल कर :

सना जनाबसे और नवद अन्हर;
छपाया है किस्साँ येह अफ़ोल फ्रुजसर
हुवा अब येह किस्सा है पूरा तमाम;
जहाँ मोहंमद अली किसँ लाम.

तमामशुद.

किस्सा अफ़ेराम औरडा पूरा हुवा.

येह किस्सा अफ़ोल नेहनल डरेडे-
सके दरी छापेखानेमें छपवाया है.
सन. १८७१. इसवी. जुन. ता० ८